



सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

पत्रांक-प.नि.6231 / 24

दिनांक-30.04.2024

### अत्यावश्यक-सूचना

नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत शास्त्री में प्रभावी अधिसत्रीय पाठ्यक्रम के तृतीय अधिसत्र (Third Semester) का अनन्तिम पाठ्यक्रम विद्यापरिषद / कार्यपरिषद के स्वीकृति की प्रत्याशा में वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जा रहा है। अधिसत्रीय पाठ्यक्रम का सत्र विलम्बित हो गया है, जिसके दृष्टित समस्त महाविद्यालयों के सम्मानित प्राचार्यों व अध्यापकों से सादर अनुरोध है कि जून 2024 के अन्तिम सप्ताह में प्रस्तावित परीक्षा से पूर्व अतिरिक्त कक्षाएं संचालित कर शास्त्री तृतीय सेमेस्टर का पाठ्यक्रम पूर्ण करा लिया जाय।

30/4/24  
(प्रो. सुधाकर मिश्र)  
परीक्षा नियंत्रक

सम्पूर्णनिन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी  
शास्त्रिपरीक्षायां तृतीयाधिसत्रम् (तृतीय सेमेस्टर)

प्रथमप्रश्नपत्रम् - अनिवार्यविषयः ~~संस्कृतम्~~ सरलमानकसंस्कृतम्

प्रथमप्रश्नपत्रम् - गद्यपद्यनाटकानाम् पूर्णाङ्काः - 75+25=100 (क्रेडिट-4)

| इकाई संख्या | ग्रन्थनामानि        | निर्धारितपाठ्यांशः                    | क्रेडिट | अङ्काः |
|-------------|---------------------|---------------------------------------|---------|--------|
| 1           | सांख्यकारिका        | आदितः पञ्चत्रिंशत्कारिका पर्यन्तम्    | 01      | 25     |
|             | तर्कभाषा            | आदितः अनुमानपर्यन्तो भागः             |         |        |
| 2           | वेदान्तसारः         | सूक्ष्मशरीरोत्पत्तिः पर्यन्तम्        | 01      | 25     |
|             | तत्त्वत्रयम्        | आदितः अचित्रकरणस्य तन्मात्रापर्यन्तम् |         |        |
| 3           | संस्कृतनिबन्धः      |                                       | 01      | 25     |
| 4           | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् |                                       | 01      | 25     |

द्वितीयप्रश्नपत्रम् - अनिवार्यविषयः संस्कृतसाहित्यम्

द्वितीयप्रश्नपत्रम् - पद्यानुवादनिबन्धसंस्कृतीनाम् पूर्णाङ्काः - 75+25=100 (क्रेडिट-4)

| इकाई संख्या | ग्रन्थनामानि          | निर्धारितपाठ्यांशः | क्रेडिट | अङ्काः |
|-------------|-----------------------|--------------------|---------|--------|
| 1           | मनसुजातीयदर्शनम्      | प्रथमोऽध्यायः      | 01      | 25     |
| 2           | मनसुजातीयदर्शनम्      | द्वितीयोऽध्यायः    | 01      | 25     |
| 3           | संस्कृतसाहित्येतिहासः |                    | 01      | 25     |
| 4           | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्   |                    | 01      | 25     |

Chater's

13

31/1/24

2-1-24

03-01-2024

21.2.24

विभाग

आधुनिक भाषा एवं भाषा विज्ञान विभाग  
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

शास्त्री द्वितीय वर्ष

अनिवार्य हिन्दी

तृतीय सेमेस्टर

(प्रस्तावित पाठ्यक्रम)

पूर्णांक:- 75+25= 100

| क्रम संख्या | सहायक ग्रन्थ का नाम                                  | निर्धारित पाठ्यक्रम                                                                                        | क्रेडिट | अंक |
|-------------|------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----|
| 1           | महाभारत- महर्षि कृष्णद्वैयायन वेदव्यास               | प्रतिशोध (रमेश प्रसाद)<br>विसदीकरण / संक्षेपीकरण                                                           | 01      | 25  |
| 2           | रस, अलंकार, छन्द तथा अन्य काव्यांग<br>डॉ. वैकट शर्मा | प्रतिशोध (रमेश प्रसाद)<br>पाठ का सारांश, चरित्र चित्रण, हिन्दी से संस्कृत अनुवाद, संस्कृत से हिन्दी अनुवाद | 01      | 25  |
| 3           | हिन्दी का गद्य साहित्य<br>आचार्य रामचन्द्र तिवारी    | हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से स्वातंत्र्योत्तर युग) अलंकार, रस, छन्द, दोहा, सोरठा, चौपाई      | 01      | 25  |
| 4           |                                                      | आन्तरिक मूल्यांकन                                                                                          | 01      | 25  |

दिनांक 05/01/2024  
प्रो. राजीव कुमार

14/1/2024  
प्रो. राजीव कुमार

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

शुक्लयजुर्वेदः

शास्त्री-परीक्षा, तृतीयसत्रार्द्धम् (तृतीयसेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                    | निर्धारित पाठ्ययांशः                             | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|---------------------------------|--------------------------------------------------|---------|-------|
| 1.         | शुक्लयजुः<br>संहितामहीधरभाष्यम् | अध्यायः-4 सम्पूर्णम्                             | 1       | 25    |
| 2.         | वाजसनेयप्रातिशाख्यम्            | प्रकृतिपाठस्वरूपाणि                              | 1       | 25    |
| 3.         | वाजसनेयप्रातिशाख्यम्            | जटाद्यष्टविकृतिलक्षणानि<br>स्वशाखीयोदाहृतसहितानि | 1       | 25    |
| 4.         | आन्तरिकं मूल्यांकनम्            | -                                                | 1       | 25    |

सन्दर्भग्रन्थः- 1. वाजसनेयप्रातिशाख्यः- एकपरिशीलन

लेखक-युगलकिशोर मिश्र (सं०सं०वि.वि.)

2. चरणव्यूहः वैदशाखापर्यालोचन- चौखम्बा विद्याभवन

पंचमप्रश्नपत्रम्

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि         | निर्धारित पाठ्ययांशः                                      | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|----------------------|-----------------------------------------------------------|---------|-------|
| 1.         | पारस्करगृह्यसूत्रम्  | द्वितीयं काण्डम् सम्पूर्णम्                               | 1       | 25    |
| 2.         | निरुक्तम्            | अध्यायः-4 सम्पूर्णम्<br>इ-न सत्रार्द्ध मिश्रसंस्कृतसहितम् | 1       | 25    |
| 3.         | आहिनकसूत्रावलिः      | कात्यायनीयस्नानतर्पण<br>श्राद्धपरिशिष्टानि                | 1       | 25    |
| 4.         | आन्तरिकं मूल्यांकनम् |                                                           | 1       | 25    |

16/12/2023  
सन्दर्भग्रन्थः- आहिनकसूत्रावलिः- श्रीशुक्लयजुर्वेदीय माध्यन्दिनवाजसनेयिनम्  
प्र. - पारस्करगृह्यसूत्रम् - हरिहरभाष्यसहितम्  
20/11/24  
20/11/24  
20/11/24

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

1. ऋग्वेदः

शास्त्री-परीक्षा, तृतीयसत्रार्द्धम् (तृतीयसेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                                                       | निर्धारित पाठ्यांशः                                                        | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|--------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------|---------|-------|
| 1          | ऋग्वेदसंहिताभाष्यम्                                                | सप्तमोऽध्यायः                                                              | 1       | 25    |
| 2          | चरणव्यूहः                                                          | पूर्वद्वयम्                                                                | 1       | 25    |
| 3          | <del>संस्कृतशिक्षणसूत्रम्</del><br><del>संस्कृतशिक्षणसूत्रम्</del> | जटा, माला, शिखा, रेखा<br>इति (न शास्त्रीयः न शास्त्रीयः<br>उपदेशः 1/2-4/2) | 1       | 25    |
| 4          | आन्तरिक मूल्यांकनम्                                                | -                                                                          | 1       | 25    |

क- सत्रार्द्ध ग्रन्थः - लाजनेम प्राप्तिशारङ्गः एक परीक्षालेखन  
ले. प्रो. भुजानन्दगोस्वामी (सं. सं. वि. वि.)

पंचमप्रश्नपत्रम्

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                                                       | निर्धारित पाठ्यांशः                            | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|--------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------|---------|-------|
| 1          | ऐतरेयब्राह्मणम् सायणभाष्यम्                                        | पंचम पंचिका                                    | 1       | 25    |
| 2          | <del>संस्कृतशिक्षणसूत्रम्</del><br><del>संस्कृतशिक्षणसूत्रम्</del> | ध्वजः, दण्डः, रथः, घनः<br>संस्कृतशिक्षणसूत्रम् | 1       | 25    |
| 3          | सिद्धान्तकौमुदी                                                    | वैदिकं प्रकरणम्                                | 1       | 25    |
| 4          | आन्तरिक मूल्यांकनम्                                                | -                                              | 1       | 25    |

क- सत्रार्द्ध ग्रन्थः - लाजनेम प्राप्तिशारङ्गः एक परीक्षालेखन  
ले. प्रो. भुजानन्दगोस्वामी

16/12/23  
16/12/23  
16/12/23  
16/12/23  
20/1/24  
20/1/24  
20/1/24

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

3. कृष्णयजुर्वेदः

शास्त्री-परीक्षा, तृतीयसत्रार्द्धम् (तृतीयसेमेस्टर)

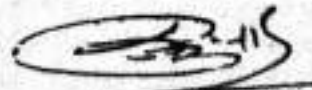
पाठ्यक्रमः

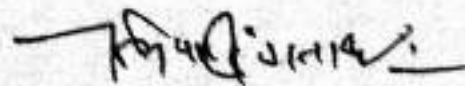
चतुर्थप्रश्नपत्रम्

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                | निर्धारित पाठ्यांशः   | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|-----------------------------|-----------------------|---------|-------|
| 1.         | तैत्तिरीयसंहिता सायणभाष्यम् | प्रथमकाण्ड-3 अध्यायः  | 1       | 25    |
| 2.         | स्वशाखीयः (निकृष्टिपात्रः)  | जटा, माला, शिखा, रेखा | 1       | 25    |
| 3.         | निरुक्तम्                   | 4 अध्यायः             | 1       | 25    |
| 4.         | आन्तरिकं मूल्यांकनम्        | —                     | 1       | 25    |

पंचमप्रश्नपत्रम्

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                   | निर्धारित पाठ्यांशः           | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|--------------------------------|-------------------------------|---------|-------|
| 1.         | तैत्तिरीयब्राह्मणं सायणभाष्यम् | तृतीयकाण्डम् —<br>2 प्रपाठकम् | 1       | 25    |
| 2.         | उदकशान्तिप्रयोगः               | सम्पूर्णम्                    | 1       | 25    |
| 3.         | सिद्धान्तकौमुदी                | वैदिकं प्रकरणम्               | 1       | 25    |
| 4.         | आन्तरिकं मूल्यांकनम्           | —                             | 1       | 25    |

  
17-12-23

  
17-12-23

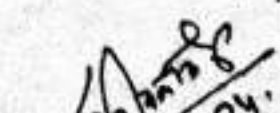
  
17-12-2023

अवनीश द्विवेदी  
17-12-2023

विमलेश्वर

17-12-23 मध्ये  
20/1/24

  
20.1.24

  
20.1.24

  
20/01/24

4. सामवेदः

शास्त्री-परीक्षा, तृतीयसत्रार्द्धम् (तृतीयसेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                                              | निर्धारित पाठ्यांशः                                                    | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|-----------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------|---------|-------|
| 1.         | सामवेदसंहिता सायणभाष्यम्                                  | पूर्वार्चिकस्य तृतीयपूर्वार्द्धम्<br>ध्यायान्तम् <del>स्वस्त्ययः</del> | 1       | 25    |
| 2.         | स्वस्त्ययः <del>स्वस्त्ययः</del><br><del>स्वस्त्ययः</del> | प्रकृतिपाठ स्वरूपाणि<br>जडाध्वनिविकृतलक्षणानि                          |         | 25    |
| 3.         | गोमिलगृह्यसूत्रम्                                         | उत्तरभागम्                                                             |         | 25    |
| 4.         | आन्तरिकं मूल्यांकनम्                                      | -                                                                      | 1       | 25    |

~~चतुर्थप्रश्नपत्रम्~~

पंचमप्रश्नपत्रम्

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                          | निर्धारित पाठ्यांशः        | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|---------------------------------------|----------------------------|---------|-------|
| 1.         | सामविधानब्राह्मणम्<br>सायणभाष्यसहितम् | पूर्वार्द्धम्              | 1       | 25    |
| 2.         | स्वस्त्ययः<br><del>स्वस्त्ययः</del>   | गानस्वरूपाणि<br>सोदाहरणानि | 1       | 25    |
| 3.         | सिद्धान्तकौमुदी                       | वैदिकं प्रकरणम्            | 1       | 25    |
| 4.         | आन्तरिकं मूल्यांकनम्                  | -                          | 1       | 25    |

16/12/23

अशोक कु. पांडे  
16/12/23

16/12/23

20.1.24

16.12.23

20/1/24

20/1/24

16-12-83

20/1/24

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

5. अथर्ववेदः (शौनकशाखीयः)

शास्त्री-परीक्षा, तृतीयसत्रार्द्धम् (तृतीयसेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                  | निर्धारित पाठ्यांशः                   | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|-------------------------------|---------------------------------------|---------|-------|
| 1.         | अथर्ववेदसंहिता<br>सायणभाष्यम् | 3-काण्डम् (पूर्वार्द्धम्)             | 1       | 25    |
| 2.         | स्वशाखीयः                     | प्रकृतिपाठस्वरूपाणि<br>सोदाहरणसहितानि | 1       | 25    |
| 3.         | निरुक्तम्                     | 4-अध्यायः                             | 1       | 25    |
| 4.         | आन्तरिकं मूल्यांकनम्          | -                                     | 1       | 25    |

पंचमप्रश्नपत्रम्

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि                  | निर्धारित पाठ्यांशः       | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|-------------------------------|---------------------------|---------|-------|
| 1.         | अथर्ववेदसंहिता<br>सायणभाष्यम् | 3-काण्डम् (उत्तरार्द्धम्) | 1       | 25    |
| 2.         | पंचपटलिका                     | पूर्वार्द्धम्             | 1       | 25    |
| 3.         | सिद्धान्तकौमुदी               | वैदिकं प्रकरणम्           | 1       | 25    |
| 4.         | आन्तरिकं मूल्यांकनम्          |                           | 1       | 25    |

गोपाल शर्मा

17/12/2023

17.12.23

सिपाई अश्व?

17-12-23

सिपाई अश्व?

17.12.23

20/1/24

20/1/24

20/1/24

20/1/24

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

6. वेदनैरुक्तप्रक्रिया

शास्त्री-परीक्षा, तृतीयसत्रार्द्धम् (तृतीयसेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि         | निर्धारित पाठ्यांशः      | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|----------------------|--------------------------|---------|-------|
| 1.         | पारस्कर गृह्यसूत्रम् | पूर्वार्द्धम् प्रश्न १-४ | 1       | 25    |
| 2.         | कौशिकगृह्यसूत्रम्    | पूर्वार्द्धम्            | 1       | 25    |
| 3.         | आश्वलायनगृह्यसूत्रम् | पूर्वार्द्धम्            | 1       | 25    |
| 4.         | आन्तरिकं मूल्यांकनम् |                          | 1       | 25    |

सहायकग्रन्थ - गर्भाधानादि षोडश संस्कार यज्ञ विवरणः

लेख - म. न. से. आचार्य देवदत्तनाथ दिवेदी / सम्पादनः - प्रो. देवेन्द्र नारायण मिश्र

पंचमप्रश्नपत्रम्

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि         | निर्धारित पाठ्यांशः          | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|----------------------|------------------------------|---------|-------|
| 1.         | बृहदेवता             | प्रथमाध्यायः (पूर्वार्द्धम्) | 1       | 25    |
| 2.         | निरुक्तम्            | 1-2 अध्यायः                  | 1       | 25    |
| 3.         | कौशिकगृह्यसूत्रम्    | उत्तरार्द्धम्                | 1       | 25    |
| 4.         | आन्तरिकं मूल्यांकनम् | -                            | 1       | 25    |

16/12/23

16/12/23

16.12.2023

16.12.23

20.1.24

20.1.24

16.12.23

20/01/24 20/1/24

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी  
पौरोहित्यम्/ कर्मकाण्ड-  
शास्त्री-परीक्षा, तृतीयसत्रार्द्धम् (तृतीयसेमेस्टर)

पाठ्यक्रमः

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि          | निर्धारित पाठ्यांशः | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|-----------------------|---------------------|---------|-------|
| 1.         | उपाकर्म पद्धतिः       | सम्पूर्णम्          | 1       | 25    |
| 2.         | शान्ति मयूखः          | सम्पूर्णम्          | 1       | 25    |
| 3.         | रुद्रयागप्रयोगविमर्शः | सम्पूर्णम्          | 1       | 25    |
| 4.         | आन्तरिकं मूल्यांकनम्  | —                   | 1       | 25    |

पंचमप्रश्नपत्रम्

| इकाईसंख्या | ग्रन्थनामानि            | निर्धारित पाठ्यांशः | क्रेडिट | अंकाः |
|------------|-------------------------|---------------------|---------|-------|
| 1.         | विष्णुयाग प्रयोगविमर्शः | सम्पूर्णम्          | 1       | 25    |
| 2.         | प्रतिष्ठामयूखः          | सम्पूर्णम्          | 1       | 25    |
| 3.         | धर्मसिन्धुः             | द्वितीय परिच्छेदः   | 1       | 25    |
| 4.         | आन्तरिकं मूल्यांकनम्    | —                   | 1       | 25    |

16/12/23  
16/12/23  
16/12/23  
16/12/23  
20/1/24  
20/1/24  
20/1/24  
20/1/24  
20/1/24

**प्राचीनव्याकरणविषये  
छात्री तृतीय बाष्मासिकम्  
चतुर्थ- प्रश्नपत्रम्**

पूर्णाङ्कः- १००

| प्रभागः | विषयः                                                                    | श्रेयोङ्कः | पूर्णाङ्कः |
|---------|--------------------------------------------------------------------------|------------|------------|
| 1       | काशिका प्रथमाध्यायस्य 1-2-3 पादाः                                        | 01         | 25         |
| 2       | व्याकरणमहाभाष्यस्य प्रथमाध्यायस्य प्रथमपादः द्वितीयपादश्च<br>(नवाङ्कितः) | 01         | 25         |
| 3       | व्याकरण महाभाष्यस्य प्रथमाध्यायस्य तृतीय पादः                            | 01         | 25         |
| 4       | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                                       | 01         | 25         |

**सहायकपुस्तकानि-**

- 1- वैयाकरणमहाभाष्यम्- चौखम्मा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली,  
2- काशिका- तारबुकऐजेन्सी, वाराणसी

**प्राचीनव्याकरणविषये  
छात्री तृतीय बाष्मासिकम्  
पंचम- प्रश्नपत्रम्**

पूर्णाङ्कः- १००

| प्रभागः | विषयः                                                            | श्रेयोङ्कः | पूर्णाङ्कः |
|---------|------------------------------------------------------------------|------------|------------|
| 1       | काशिका प्रथमाध्यायस्य चतुर्थ पादः,<br>द्वितीयाध्यायस्य प्रथमपादः | 01         | 25         |
| 2       | व्याकरणमहाभाष्ये प्रथमाध्यायस्य चतुर्थ पादः                      | 01         | 25         |
| 3       | व्याकरणमहाभाष्ये द्वितीयाध्यायस्य प्रथमपादः                      | 01         | 25         |
| 4       | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                               | 01         | 25         |

**सहायकपुस्तकानि-**

- 1- वैयाकरणमहाभाष्यम्- चौखम्मा संस्कृत प्रतिष्ठान दिल्ली,  
2- काशिका- तारबुकऐजेन्सी, वाराणसी

21.12.23

20.01.24

21.12.23

20/01/24

20/11/24

20.1.24

20/01/24

नव्यव्याकरणविषये छाेली तृतीय-वाण्मासिकम्  
चतुर्थ- प्रहणपत्रम्

पूर्णाङ्कः- १००

| प्रमाणः | विषयः                                                                                  | श्रेयोङ्कः | पूर्णाङ्कः |
|---------|----------------------------------------------------------------------------------------|------------|------------|
| १       | शब्दरत्नसहितायां प्रौढमनोरमायामजन्तपुल्लिङ्गप्रकरणम्                                   | ०१         | २५         |
| २       | शब्दरत्नसहितायां प्रौढमनोरमायामजन्तस्त्रीलिङ्गप्रकरणादजन्त-<br>नपुंसकलिङ्गप्रकरणान्तम् | ०१         | २५         |
| ३       | परमलघुमञ्जूषायां शवितलक्षणाव्यञ्जनास्फोटविचारान्तोभागः                                 | ०१         | २५         |
| ४       | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्                                                                    | ०१         | २५         |

नव्यव्याकरणविषये छाेली तृतीय-वाण्मासिकम्  
पंचम- प्रहणपत्रम्

पूर्णाङ्कः- १००

| प्रमाणः | विषयः                                                                               | श्रेयोङ्कः | पूर्णाङ्कः |
|---------|-------------------------------------------------------------------------------------|------------|------------|
| १       | शब्दरत्नसहितायां प्रौढमनोरमायां कारकप्रकरणस्य तृतीयाविभक्त्यन्तो भागः               | ०१         | २५         |
| २       | शब्दरत्नसहितायां प्रौढमनोरमायां कारकप्रकरणस्य चतुर्थीविभक्त्यादि<br>सप्तम्यन्तोभागः | ०१         | २५         |
| ३       | परमलघुमञ्जूषायामाकांक्षायोग्यतासत्तितात्पर्यधात्वर्थान्तोभागः                       | ०१         | २५         |
| ४       | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्                                                                 | ०१         | २५         |

*(Signature)*  
२०/०१/२४

*(Signature)*  
२०.०१.२४.

*(Signature)*  
२०/१/२४

*(Signature)*  
२२.१२.२३

*(Signature)*  
२२.१२.२०२३

*(Signature)*  
२०.१.२४

सम्पूर्णनिन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

साहित्यविभागः

शास्त्रिपरीक्षायां तृतीयाधिसत्रम् (तृतीय सेमेस्टर)

विषयः - साहित्यम्

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्काः - 75+25=100 (क्रेडिट-4)

| इकाई सं० | ग्रंथनामानि         | निर्धारितपाठ्यांशः           | क्रेडिट | अंकः |
|----------|---------------------|------------------------------|---------|------|
| 1        | वेणीसंहारनाटकम्     | आदितः तृतीय-अंकपर्यन्तम्     | 01      | 25   |
| 2        | वेणीसंहारनाटकम्     | चतुर्थ-अंकतः समाप्तिम् यावत् | 01      | 25   |
| 3        | चन्द्रकलानाटिका     | सम्पूर्णम्                   | 01      | 25   |
| 4        | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् |                              | 01      | 25   |

पंचमप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्काः - 75+25=100 (क्रेडिट-4)

| इकाई सं० | ग्रंथनामानि         | निर्धारितपाठ्यांशः | क्रेडिट | अंकः |
|----------|---------------------|--------------------|---------|------|
| 1        | साहित्यदर्पणः       | सप्तमपरिच्छेदः     | 01      | 25   |
| 2        | साहित्यदर्पणः       | अष्टमपरिच्छेदः     | 01      | 25   |
| 3        | सरलगद्यपद्यरचना     |                    | 01      | 25   |
| 4        | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् |                    | 01      | 25   |

Shree' Puro  
03/01/2024

03/01/2024

3/1/24  
2-1-24

03/01/2024

03-01-2024

03/01/24

03/01/24  
3.1.24

न्यायवैशेषिकविभागेप्राचीनन्यायविषये

शास्त्रिद्वितीयवर्षीयेतृतीयसत्रार्द्धे

न्यायभाष्यम्

चतुर्थपत्रम्

| क्र.सं. | ग्रन्थाः     | पाठ्यांशः                     | क्रेडिट | पूर्णांकाः |
|---------|--------------|-------------------------------|---------|------------|
| 1.      | न्यायभाष्यम् | तृतीयाध्यायस्य प्रथमाहिनकम्   | 1       | 25         |
| 2.      | न्यायभाष्यम् | तृतीयाध्यायस्य द्वितीयाहिनकम् | 1       | 25         |
| 3.      | न्यायभाष्यम् | चतुर्थाध्यायस्य प्रथमाहिनकम्  | 1       | 25         |
| 4.      |              | आन्तरिकमूल्यांकनम्            | 1       | 25         |

न्यायवैशेषिकविभागेप्राचीनन्यायविषये

शास्त्रिद्वितीयवर्षीयेतृतीयसत्रार्द्धे

शब्दशक्तिप्रकाशिका

पंचमपत्रम्

| क्र.सं. | ग्रन्थाः           | पाठ्यांशः                                      | क्रेडिट | पूर्णांकाः |
|---------|--------------------|------------------------------------------------|---------|------------|
| 1.      | शब्दशक्तिप्रकाशिका | आदितः प्रकृतिलक्षणान्तोभागः                    | 1       | 25         |
| 2.      | शब्दशक्तिप्रकाशिका | प्रत्ययलक्षणतः वाक्यनिरूपणान्तोभागः            | 1       | 25         |
| 3.      | शब्दशक्तिप्रकाशिका | नामनिरूपणात्<br>नैमित्तिकसंज्ञानिरूपणान्तोभागः | 1       | 25         |
| 4.      |                    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                             | 1       | 25         |

न्यायवैशेषिकविभागेनव्यन्यायविषये  
शास्त्रिद्वितीयवर्षीयेतृतीयसत्रार्द्धे (सामान्यनिरुक्तौ (प्रथमलक्षणान्तोभागः)

चतुर्थपत्रम्

| क्र.सं. | ग्रन्थाः                             | पाठ्यांशः                                                                                                           | क्रेडिट् | पूर्णांकाः |
|---------|--------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|------------|
| 1.      | सामान्यनिरुक्तौ(प्रथमलक्षणान्तोभागः) | हेत्वाभासनिरूपणे प्रसङ्गस्यापि संगतित्वमित्यारभ्य अवच्छेदकत्वं च तत्पर्याप्त्यधिकरणत्वमित्यन्तोभागः                 | 1        | 25         |
| 2.      | सामान्यनिरुक्तौ(प्रथमलक्षणान्तोभागः) | सध्यतावच्छेदकावच्छिन्नसाध्य-प्रकारकत्वा-निवेशेइत्यतः तत्र तदवगाहिभ्रमस्य दर्शिताकारतासम्भवादित्यपिवदन्तीत्यन्तोभागः | 1        | 25         |
| 3.      | सामान्यनिरुक्तौ(प्रथमलक्षणान्तोभागः) | भ्रमादिति । पञ्चम्यर्थः प्रयुक्तत्वतस्तस्य च प्रतिबन्धकपदार्थेऽनुत्पादेइत्यतः प्रथमलक्षणान्तोभागः                   | 1        | 25         |
| 4.      |                                      | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                                                                                  | 1        | 25         |

न्यायवैशेषिकविभागेनव्यन्यायविषये  
शास्त्रिद्वितीयवर्षीयेतृतीयसत्रार्द्धे (सामान्यलक्षणा)  
पंचमपत्रम्

| क्र.सं. | ग्रन्थाः                           | पाठ्यांशः                                                                                                              | क्रेडिट् | पूर्णांकाः |
|---------|------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|------------|
| 1.      | सामान्यलक्षणा<br>(सजागदीशीदीधितिः) | आरम्भतः चरमं न चाक्षुषोनिखिलद्रव्यसंतानइतिनव्याः इत्यन्तोभागः                                                          | 1        | 25         |
| 2.      | सामान्यलक्षणा<br>(सजागदीशीदीधितिः) | इयञ्च धर्मविषयकज्ञानमित्यतः पूर्वपक्षान्तोभागः ।                                                                       | 1        | 25         |
| 3.      | सामान्यलक्षणा<br>(सजागदीशीदीधितिः) | ननु धर्मिज्ञानस्य सशयहेतुत्वेइत्यतः तेजोविशेषात्यन्ताभावप्रागभावानांप्रत्यक्षानभ्युपगमाच्चेति-दीधितिब्याख्यान्तोभागः । | 1        | 25         |
| 4.      |                                    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                                                                                     | 1        | 25         |

(1-2-2023)  
16.12.23

1- शास्त्रेपरीक्षायां तृतीयाधिसूत्रे -  
चतुर्थप्रश्नपत्रम् -

मीमांसासामप्रकाशस्य आदितः विधीर्नैर्णयान्तपूर्वार्धभागः ।

- क- आदितौ मत्वर्थलक्षणाविचारं यावत् । 20  
 ख- विधिनिरूपणादख्यार्थविचारं यावत् । 20  
 ग- लिङ्गनिरूपणात् समाख्याप्रमाणं यावत् । 20  
 घ- अङ्गप्रभेदनिरूपणात् प्रवृत्तिरूपविचाररूपेणाऽविचारविधेर्विचारं यावत् । 15  
 3. आन्तरिकमूल्याङ्कन 25

2- शास्त्रेपरीक्षायां तृतीयाधिसूत्रे -

पञ्चमप्रश्नपत्रम्

मीमांसासामप्रकाशस्य मन्त्रप्रामाण्यनिरूपणाद् भावगानैरूपणान्तोक्त  
 रार्धभागः ।

- क- मन्त्रविचारैऽपूर्वदिविधिविचारं यावत् । 20  
 ख- नोमर्थप्रामाण्यविचारः । 20  
 ग- निषेधविचारः । 20  
 घ- अर्थवादविचारादख्यमन्त्रसमाप्तिं यावत् । 15

3 - आन्तरिकमूल्याङ्कन

कामधारी विद्या

अप्रमत्त 21.12.23

माधव 21.12.23  
 सद्य

महेश कुमार विद्या  
 सद्य

# शास्त्रपरीक्षायां तृतीयाधिसत्रे (तृतीय सेमेस्टर)

## चतुर्थपत्रे

सर्वेषां कृते ऋते शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्तम्

(शाङ्करवेदान्ते, रामानुजवेदान्ते, मध्ववेदान्ते, गौडीयवेदान्ते, निम्बार्कवेदान्ते, वल्लभवेदान्ते, रामानन्दवेदान्ते च)

| अंश | ग्रन्थः                                                | पाठ्यांशः                                                 | क्रेडिट | अंकाः |
|-----|--------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------|---------|-------|
| 1   | ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यसहिते<br>प्रथमाध्यायाय प्रथमपादः | जिज्ञासाधिकरणं, जन्माद्यधिकरणं<br>शास्त्रयोनित्वाधिकरणं च | 1       | 20    |
| 2   |                                                        | समन्वयाधिकरणम्, ईक्षत्यधिकरणम्,<br>आनन्दमयाधिकरणम्        | 1       | 20    |
| 3   |                                                        | अन्तराधिकरणम् आकाशाधिकरणं<br>प्राणाधिकरणं च               | 1       | 20    |
| 4   |                                                        | ज्योतिरधिकरणम्, इन्द्रप्रतर्दनाधिकरणम्                    | 1       | 15    |
| 5   |                                                        | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                        | 1       | 25    |

शास्त्रपरीक्षायां तृतीयाधिसत्रे तृतीय सेमेस्टर

शाङ्करवेदान्तविषये पञ्चमपत्रे

| अंशः | ग्रन्थः                                                      | पाठ्यांशः                                        | क्रेडिट | अंकाः |
|------|--------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------|---------|-------|
| 1    | ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यस्य<br>चतुःसूत्रयन्तर्भाष्यमती<br>टीका | अध्यासभाष्यभामती                                 | 1       | 20    |
| 2    |                                                              | जिज्ञासाधिकरणे<br>भामती                          | 1       | 20    |
| 3    |                                                              | जन्माद्यधिकरणे<br>शास्त्रयोनित्वाधिकरणे<br>भामती | 1       | 20    |
| 4    |                                                              | समन्वयाधिकरणे<br>भामती                           | 1       | 15    |
| 5    |                                                              | आन्तरिकमूल्यांकनम्                               | 1       | 25    |

22-24

प्राप्तेः

श्रीगुरुभ्यो नमः

शास्त्रीपरीक्षायां तृतीयाधिसत्रे तृतीय सेमेस्टर

रामानुजवेदान्ते, गौडीयवेदान्ते च पंचमपत्रम्

| अंशः | ग्रन्थः                                 | पाठ्यांशः                                        | क्रेडिट | अंकाः |
|------|-----------------------------------------|--------------------------------------------------|---------|-------|
| 1.   | श्रीभाष्ये<br>प्रथमाध्याये<br>प्रथमपादः | जिज्ञासाधिकरणम्                                  | 1       | 20    |
| 2.   | "                                       | जनमाद्यधिकरणात्<br>समन्वयाधिकरणपर्यन्तो<br>भागः  | 1       | 20    |
| 3.   | "                                       | ईक्षत्यधिकरणात्<br>आकाशाधिकरणान्तो<br>भागः       | 1       | 20    |
| 4.   | "                                       | प्राणाधिकरणात्<br>प्रथमाध्यायस्यावशिष्टो<br>भागः | 1       | 15    |
| 5.   |                                         | आन्तरिकमूल्यांकनम्                               | 1       | 25    |

शास्त्रिपरीक्षायां तृतीयाधिसत्रे तृतीय सेमेस्टर

मध्ववेदान्ते पंचमपत्रे

| अंशः | ग्रन्थः                                | पाठ्यांशः                                    | क्रेडिट | अंकाः |
|------|----------------------------------------|----------------------------------------------|---------|-------|
| 1.   | द्वैतभूषणम्<br>श्रीनिवासाचार्यप्रणीतम् | जिज्ञासाधिकरणम्                              | 1       | 20    |
| 2.   | "                                      | जन्माद्यधिकरणं<br>शास्त्रयोनित्वाधिकरणं<br>च | 1       | 20    |
| 3.   | "                                      | ईक्षत्यधिकरणं<br>समन्वयाधिकरणं च             | 1       | 20    |
| 4.   | "                                      | आनन्दमयाधिकरणम्                              | 1       | 15    |
| 5.   |                                        | आन्तरिकमूल्यांकनम्                           | 1       | 25    |

2022-23

परीक्षकः

2023-24

शास्त्रिपरीक्षायां तृतीयाधिसत्रे तृतीय सेमेस्टर

निम्बार्कवेदान्ते पंचमपत्रे

| अंशः | ग्रन्थः                                                                                              | पाठ्यांशः                                                   | क्रेडिट | अंकाः |
|------|------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------|---------|-------|
| 1.   | ब्रह्ममीमांसाभाष्यस्य<br>श्रीनिम्बार्कचार्यप्रणीतं<br>वेदान्तपारिजातसौरभम्<br>प्रथमाध्याये प्रथमपादः | जिज्ञासाधिकरणम्                                             | 1       | 20    |
| 2.   | "                                                                                                    | जन्माद्यधिकरणात्<br>समन्वयाधिकरणपर्यन्तो भागः               | 1       | 20    |
| 3.   | "                                                                                                    | ईक्षत्यधिकरणात्<br>प्राणाधिकरणपर्यन्तो भागः                 | 1       | 20    |
| 4.   | "                                                                                                    | प्रतर्दनाधिकरणाद्<br>प्रथमाध्यायप्रथमपादस्यावशिष्टो<br>भागः | 1       | 15    |
| 5.   | "                                                                                                    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                          | 1       | 20    |

शास्त्रिपरीक्षायां तृतीयाधिसत्रे तृतीय सेमेस्टर

बल्भवेदान्ते पंचमपत्रे

| अंशः | ग्रन्थः                               | पाठ्यांशः                                | क्रेडिट | अंकाः |
|------|---------------------------------------|------------------------------------------|---------|-------|
| 1.   | बल्भचार्यप्रणीता<br>सर्वनिर्णयप्रकरणी | प्रमाणप्रकरणम्                           | 1       | 20    |
| 2.   | "                                     | प्रमेयप्रकरणम्                           | 1       | 20    |
| 3.   | "                                     | फलसाधनप्रकरणम्                           | 1       | 20    |
| 4.   | "                                     | सर्वनिर्णयप्रकरणस्य<br>उपसंहारान्तो भागः | 1       | 15    |
| 5.   | "                                     | आन्तरिकमूल्यांकनम्                       | 1       | 25    |

43

प्रो. वि. वि. वि.

श्री. वि. वि. वि.

शास्त्रपरीक्षायां तृतीयाधिसत्रे तृतीय सेमेस्टर

रामानन्दवेदान्ते पंचमपत्रे

| अंशः | ग्रन्थः                                                    | पाठ्यांशः                                         | क्रेडिट | अंकाः |
|------|------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------|---------|-------|
| 1.   | ब्रह्मसूत्रस्यानन्दभाष्यस्य<br>प्रथमाध्यायस्य<br>प्रथमपादः | जिज्ञासाधिकरणम्                                   | 1       | 20    |
| 2.   | "                                                          | जन्माद्याधिकरणात्<br>समन्वयाधिकरणपर्यन्तो<br>भागः | 1       | 20    |
| 3.   | "                                                          | ईक्षत्यधिकरणात्<br>आकाशाधिकरणपर्यन्तो<br>भागः     | 1       | 20    |
| 4.   | "                                                          | प्राणाधिकरणात्<br>प्रथमाध्यायस्यावशिष्टो<br>भागः  | 1       | 15    |
| 5.   |                                                            | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                | 1       | 25    |

शास्त्रपरीक्षायां तृतीयाधिसत्रे, तृतीय सेमेस्टर

शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्ते चतुर्थपत्रे

| अंशः | ग्रन्थः                                              | पाठ्यांशः                                                       | क्रेडिट | अंकाः |
|------|------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------|---------|-------|
| 1.   | ब्रह्मसूत्रश्रीकरभाष्ये<br>प्रथमाध्याये<br>प्रथमपादः | जिज्ञासाधिकरणं<br>जन्माद्याधिकरणं<br>शास्त्रयोनित्वाधिकरणं<br>च | 1       | 20    |
| 2.   | "                                                    | समन्वयाधिकरणम्<br>ईक्षत्यधिकरणम्<br>आनन्दमयाधिकरणं<br>च         | 1       | 20    |
| 3.   | "                                                    | अन्तराधिकरणम्<br>आकाशाधिकरणं<br>प्राणाधिकरणं च                  | 1       | 20    |
| 4.   | "                                                    | ज्योतिरधिकरणम्                                                  | 1       | 15    |
| 5.   |                                                      | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                              | 1       | 25    |

२४५

प्रो. ३३०/१५५

श्री. ३३०/१५५

शास्त्रपरीक्षायां तृतीयाधिसत्रे तृतीय सेमेस्टर

शक्तिविशिष्टाद्वैतवेदान्ते पंचमपत्रे

| ग्रन्थः                                    | पाठ्यांशः          | क्रेडिट | अंकाः |
|--------------------------------------------|--------------------|---------|-------|
| ब्रह्मसूत्रश्रीकरभाष्ये<br>द्वितीयोऽध्यायः | प्रथमपादः          | 1       | 20    |
| "                                          | द्वितीयपादः        | 1       | 20    |
| "                                          | तृतीयपादः          | 1       | 20    |
| "                                          | चतुर्थपादः         | 1       | 15    |
|                                            | आन्तरिकमूल्यांकनम् | 1       | 25    |

प्रोफेसरसिंह

लीडर

जैनदर्शनम्  
शास्त्री तृतीयाधिसत्रम्  
चतुर्थ – प्रश्नपत्रम्

| इकाई | विषय                                                                                                                                                          | क्रेडिट | अंक |
|------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----|
|      | द्रव्यसंग्रहः                                                                                                                                                 |         |     |
| 1    | ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्यचाध्ययनम्                                                                                                                               | 1       | 25  |
| 2    | ग्रन्थ गाथा अध्ययनम्                                                                                                                                          | 1       | 25  |
| 3    | ग्रन्थ गाथा अध्ययनम्                                                                                                                                          | 1       | 25  |
| 4    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                                                                                                                            | 1       | 25  |
|      | अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः ( निबन्धात्मकः ) 30 ( 15 × 2 )<br>द्वितीय खण्डः ( लघूत्तरात्मकः ) 20 ( 10 × 2 )<br>तृतीय खण्डः ( अतिलघूत्तरात्मकः ) 25 ( 10 × 2.5 ) |         |     |
|      | सहायकग्रन्थाः –                                                                                                                                               |         |     |
| •    | द्रव्यसंग्रहः – नेमिचन्द्रसिद्धान्त चक्रवर्ती परमश्रुत प्रभावक मण्डल रामचन्द्र आश्रम आगास                                                                     |         |     |

शास्त्री तृतीयाधिसत्रम्  
पंचम – प्रश्नपत्रम्

| इकाई | विषय                                                                                                                                                          | क्रेडिट | अंक |
|------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----|
|      | स्यादवादमञ्जरी                                                                                                                                                |         |     |
| 1    | ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्य च विमर्शनम्                                                                                                                            | 1       | 25  |
| 2    | मूलग्रन्थस्याध्ययनम्                                                                                                                                          | 1       | 25  |
| 3    | मूलग्रन्थस्याध्ययनम्                                                                                                                                          | 1       | 25  |
| 4    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                                                                                                                            | 1       | 25  |
|      | अंकविभाजनम् – प्रथम खण्डः ( निबन्धात्मकः ) 30 ( 15 × 2 )<br>द्वितीय खण्डः ( लघूत्तरात्मकः ) 20 ( 10 × 2 )<br>तृतीय खण्डः ( अतिलघूत्तरात्मकः ) 25 ( 10 × 2.5 ) |         |     |
|      | सहायकग्रन्थाः –                                                                                                                                               |         |     |
| •    | स्यादवादमञ्जरी – परमश्रुत प्रभावक मण्डल रामचन्द्र आश्रम आगास                                                                                                  |         |     |
| •    | भारतीय ज्ञान पीठ – दरियागंज नई दिल्ली                                                                                                                         |         |     |

**बौद्ध दर्शन**  
**शास्त्री तृतीयाधिसत्रम्**  
**चतुर्थ – प्रश्नपत्रम्**

|                                                         | क्रेडिट | अंक |
|---------------------------------------------------------|---------|-----|
| इकाई 1:— दिङ्नागकृता आलम्बनपरीक्षा स्ववृत्तिसहिता       | 1       | 25  |
| इकाई 2:— वसुवन्धकृता विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः (विंशतिका) | 1       | 25  |
| स्ववृत्तिसहिता                                          |         |     |
| इकाई 3:— लंकावतारसूत्रम् (1-2 परिवर्ताः)                | 1       | 25  |
| इकाई 4:— आन्तरिकमूल्यांकनम्                             | 1       | 25  |

**सहायकग्रन्थाः—**

- 1— स्टडीज इन लंकावतार—सूत्र—सुजुकी
- 2— विज्ञप्तिमात्रतासिद्धि — रामशंकर त्रिपाठी, केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थानम लेह लद्दाख
- 3— बौद्ध धर्म दर्शन (17-18 अध्याय) आचार्य नरेन्द्रदेव
- 4— बौद्ध दर्शन प्रस्थान, रामशंकर त्रिपाठी, केन्द्रीय तिब्बती अध्ययन विश्वविद्यालय सारनाथ वाराणसी

**शास्त्री तृतीयाधिसत्रम्**  
**पंचम – प्रश्नपत्रम्**

|                                                         |   |    |
|---------------------------------------------------------|---|----|
| इकाई 1:— बोधिचर्यावतारः, प्रथम द्वितीय तृतीय परिच्छेदाः | 1 | 25 |
| इकाई 2:— वज्रच्छेदिकाप्रज्ञापारमिता                     | 1 | 25 |
| इकाई 3:— अभिधर्मकोशम्— प्रथमं कोशस्थानम्                | 1 | 25 |
| इकाई 4:— आन्तरिकमूल्यांकनम्                             | 1 | 25 |

**सहायकग्रन्थाः—**

- 1— बोधिचर्यावतार, वैद्योपाह्वश्रीपरशुरामशर्मा मिथिला विद्यापीठ

सम्पूर्णानन्द - संस्कृत - विश्वविद्यालयः, वाराणसी

शास्त्री - तृतीयाधिसूत्रे

पालि-विषयः

चतुर्थ- प्रश्नपत्रम् (शास्त्रीय विषय)

पूर्णांकः - 75 + 25 = 100

क्रेडिट अंक

इकाई - 1

मज्झिमनिकायो - सम्मादिट्ठिसुत्तं, अलगदुपमसुत्तं ।

1 30

इकाई - 2

मज्झिमनिकायो - अरियपरियेसनसुत्तं/पासरासिसुत्तं ।

1 20

इकाई - 3

बुद्धधम्मस्स अवधारणा - तिसरणं, तिलक्खणं, पब्बज्जा, उपसम्पदा, उपोसथं, वस्सावासो, पवारणा ।

1 25

आन्तरिक मूल्यांकन -

1 25

सहायक ग्रन्थाः -

1) मज्झिमनिकाय - स्वामी द्वारिकादासशास्त्री, बौद्धभारती, वाराणसी ।

2) मज्झिमनिकायो - विपश्यना विशोधन विन्यास, इगतपुरी ।

पाठ्यक्रम के परिणाम -

1) बौद्ध शब्दावलीयों से परिचय ।

2) बौद्ध सिद्धान्तों का ज्ञान ।

3) भगवान् बुद्ध के काल में भिक्षु-भिक्षुणियों के जीवन यापन करने हेतु जानकारी ।



सम्पूर्णानन्द - संस्कृत - विश्वविद्यालयः, वाराणसी

शास्त्री - तृतीयाधिसत्रे

पालि-विषयः

पंचम - प्रश्नपत्रम् (शास्त्रीय विषय)

इकाई - 1

| क्रेडिट | अंक |
|---------|-----|
| 1       | 30  |

पालिव्याकरण - इकारान्त पुल्लिङ्ग शब्द रूप - मुनि, ब्याधि, इसि ।

ईकारान्त इत्थिलिङ्ग शब्द रूप - इत्थी, नदी, तुदादिगण - तुद, फुस, लिख घातुं (तीनों कालों में) ।

इकाई - 2

|   |    |
|---|----|
| 1 | 25 |
|---|----|

सन्धि - (सर सन्धि, व्यञ्जन सन्धि, निम्नहीत सन्धि) ।

इकाई - 3

|   |    |
|---|----|
| 1 | 20 |
|---|----|

अभ्यास व अनुवाद (पालि से हिन्दी, हिन्दी से पालि) ।

|   |    |
|---|----|
| 1 | 25 |
|---|----|

आन्तरिक मूल्यांकन -

सहायक ग्रन्थाः -

1) कच्चायन व्याकरण - लक्ष्मी नारायण तिवारी व बीरबल शर्मा, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी ।

2) बालावतारो - सम्पादक - द्वारिकादासशास्त्री, बौद्ध भारती, वाराणसी ।

3) पालि व्याकरण - भिक्षु धर्मरक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी ।

पाठ्यक्रम के परिणाम -

1) पालि भाषा संबंधी ज्ञान ।

2) पालि अनुवाद का ज्ञान ।

प्राकृत एवं जैनागमविभागः

शास्त्री तृतीयाधिसत्रम्

चतुर्थ - प्रश्नपत्रम्

| इकाई | विषय                                                                                                                                                          | क्रेडिट | अंक |
|------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----|
|      | नयचकम्                                                                                                                                                        |         |     |
| 1    | नयचकग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्य च परिचयः                                                                                                                           | 1       | 25  |
| 2    | नयचकमूलग्रन्थाध्ययनम्                                                                                                                                         | 1       | 25  |
| 3    | नयचकमूलग्रन्थाध्ययनम्                                                                                                                                         | 1       | 25  |
| 4    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                                                                                                                            | 1       | 25  |
|      | अंकविभाजनम् - प्रथम खण्डः ( निबन्धात्मकः ) 30 ( 15 × 2 )<br>द्वितीय खण्डः ( लघूत्तरात्मकः ) 20 ( 10 × 2 )<br>तृतीय खण्डः ( अतिलघूत्तरात्मकः ) 25 ( 10 × 2.5 ) |         |     |
|      | सहायकग्रन्थाः -                                                                                                                                               |         |     |
| •    | नयचकम् - देवसेनसूरिकृत - भारतीय ज्ञान पीठ वाराणसी                                                                                                             |         |     |

शास्त्री तृतीयाधिसत्रम्

पंचम - प्रश्नपत्रम्

| इकाई | विषय                                                                                                                                                          | क्रेडिट | अंक |
|------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----|
|      | उपासकदशांगसूत्रम् ( उपासकदशाओ )                                                                                                                               |         |     |
| 1    | श्वेताम्बरागम परिचयः - वाचनाश्च                                                                                                                               | 1       | 25  |
| 2    | ग्रन्थाध्ययनम्                                                                                                                                                | 1       | 25  |
| 3    | ग्रन्थाध्ययनम्                                                                                                                                                | 1       | 25  |
| 4    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                                                                                                                            | 1       | 25  |
|      | अंकविभाजनम् - प्रथम खण्डः ( निबन्धात्मकः ) 30 ( 15 × 2 )<br>द्वितीय खण्डः ( लघूत्तरात्मकः ) 20 ( 10 × 2 )<br>तृतीय खण्डः ( अतिलघूत्तरात्मकः ) 25 ( 10 × 2.5 ) |         |     |
|      | सहायकग्रन्थाः -                                                                                                                                               |         |     |
| •    | उपासकदशाओ - जैनविश्वभारतीय लाडनू, पिपलिया बाजार, व्यावर ( राजस्थान )                                                                                          |         |     |

प्र. हरिकृष्ण

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः वाराणसी

सांख्ययोगतन्त्रागमविभागः

2020 नूतनशिक्षानित्यानुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः- सांख्ययोगः

कक्षा- शास्त्रिद्वितीयवर्षम् (तृतीय सेमेस्टर)

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

| अंशः | ग्रन्थः      | पाठ्यांशः             | क्रेडिट | अंकाः |
|------|--------------|-----------------------|---------|-------|
| 1    | सांख्यकारिका | 1-9 कारिकापर्यन्तम्   | 1       | 20    |
| 2    | सांख्यकारिका | 10-18 कारिकापर्यन्तम् | 1       | 20    |
| 3    | सांख्यकारिका | 19-27 कारिकापर्यन्तम् | 1       | 20    |
| 4    | सांख्यकारिका | 28-36 कारिकापर्यन्तम् | 1       | 15    |
| 5    |              | आन्तरिकं मूल्याङ्कनम् |         | 25    |

विषयः सांख्ययोगः

कक्षा- शास्त्रिद्वितीयवर्षम् (तृतीय सेमेस्टर)

पञ्चमप्रश्नपत्रम्

| अंशः | ग्रन्थः        | पाठ्यांशः                                  | क्रेडिट | अंकाः |
|------|----------------|--------------------------------------------|---------|-------|
| 1    | योगसारसङ्ग्रहः | योगस्वरूपतः असम्प्रज्ञातयोगस्वरूपपर्यन्तम् | 1       | 20    |
| 2    | योगसारसङ्ग्रहः | योगफलतः भवप्रत्ययपर्यन्तम्                 | 1       | 20    |
| 3    | योगसारसङ्ग्रहः | योगाधिकारतः क्रियायोगपर्यन्तम्             | 1       | 20    |
| 4    | योगसारसङ्ग्रहः | क्रियायोगफलतः संयमतद्भेद पर्यन्तम्         | 1       | 15    |
| 5    |                | आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्                      |         | 25    |

05/02/2024

21/11/24  
X/02/2024

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः वाराणसी

सांख्ययोगतन्त्रागमविभागः

2020 नूतनशिक्षानित्यानुसारी पाठ्यक्रमः

विषय- योगतन्त्रम्

कक्षा- शास्त्रिद्वितीयवर्षम् (तृतीय सेमेस्टर)

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

| अंशः | ग्रन्थः           | पाठ्यांशः                      | क्रेडिट | अंकाः |
|------|-------------------|--------------------------------|---------|-------|
| 1    | शारदातिलकतन्त्रम् | प्रथमद्वितीय पटलौ              | 1       | 20    |
| 2    | शारदातिलकतन्त्रम् | तृतीयचतुर्थ पटलौ               | 1       | 20    |
| 3    | भृगेन्द्रागमः     | योगपादः<br>1-15 श्लोकपर्यन्तम् | 1       | 20    |
| 4    | भृगेन्द्रागमः     | 16-30 श्लोकपर्यन्तम्           | 1       | 15    |
| 5    |                   | आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्          |         | 25    |

विषयः-योगतन्त्रम्

कक्षा- शास्त्रिद्वितीयवर्षम् ( तृतीय सेमेस्टर)

पञ्चमप्रश्नपत्रम्

| अंशः | ग्रन्थः                                      | पाठ्यांशः             | क्रेडिट | अंकाः |
|------|----------------------------------------------|-----------------------|---------|-------|
| 1    | वरिवस्यारहस्यम्<br>(भास्कररायकृतं<br>सटीकम्) | 1-13 श्लोकपर्यन्तम्   | 1       | 20    |
| 2    | वरिवस्यारहस्यम्                              | 14-30 श्लोकपर्यन्तम्  | 1       | 20    |
| 3    | वरिवस्यारहस्यम्                              | 31-47 श्लोकपर्यन्तम्  | 1       | 20    |
| 4    | वरिवस्यारहस्यम्                              | 48-53 श्लोकपर्यन्तम्  | 1       | 15    |
| 5    |                                              | आन्तरिकं मूल्याङ्कनम् |         | 25    |

05/04/2024

21/04/2024

# सम्पूर्णनिन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः वाराणसी

सांख्ययोगतन्त्रागमविभागः

2020 नूतनशिक्षानित्यानुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः- आगमः

कक्षा- शास्त्रिद्वितीयवर्षम् ( तृतीय सेमेस्टर)

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

| अंशः | ग्रन्थः      | पाठ्यांशः             | क्रेडिट | अंकाः |
|------|--------------|-----------------------|---------|-------|
| 1    | स्पन्दकारिका | 1-13 श्लोकपर्यन्तम्   | 1       | 20    |
| 2    | स्पन्दकारिका | 14-25 श्लोकपर्यन्तम्  | 1       | 20    |
| 3    | कामकलाविलासः | 1-11 श्लोकपर्यन्तम्   | 1       | 20    |
| 4    | कामकलाविलासः | 12-23 श्लोकपर्यन्तम्  | 1       | 15    |
| 5    |              | आन्तरिकं मूल्याङ्कनम् |         | 25    |

विषयः आगमः

कक्षा- शास्त्रिद्वितीयवर्षम् ( तृतीय सेमेस्टर)

पञ्चमप्रश्नपत्रम्

| अंशः | ग्रन्थः            | पाठ्यांशः             | क्रेडिट | अंकाः |
|------|--------------------|-----------------------|---------|-------|
| 1    | त्रिपुरारहस्यम्    | 1-5 अध्यायपर्यन्तम्   | 1       | 20    |
| 2    | त्रिपुरारहस्यम्    | 6-11 अध्यायपर्यन्तम्  | 1       | 20    |
| 3    | प्रपञ्चसारतन्त्रम् | 1-2 पटली              | 1       | 20    |
| 4    | प्रपञ्चसारतन्त्रम् | 3-4 पटली              | 1       | 15    |
| 5    |                    | आन्तरिकं मूल्याङ्कनम् |         | 25    |

05/02/2024

21/11/24  
21/02/2024

ज्योतिषविभागः सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी ।  
सत्र 2023-2024  
**प्रश्नपत्र** तृतीयसत्रार्द्धम् (सिद्धान्तज्योतिषम्)  
प्रस्तावितपाठ्यक्रमः—

| प्रश्नपत्रसंख्या   | ग्रन्थनामानि                                            | क्रेडिट | अंकाः |
|--------------------|---------------------------------------------------------|---------|-------|
| चतुर्थप्रश्नपत्रम् | सूर्यसिद्धान्तः—मध्यमाधिकारतः त्रिप्रश्नाधिकारपर्यन्तम् | 02      | 50    |
|                    | चापीयत्रिकोणमितिः                                       | 01      | 25    |
|                    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                      | 01      | 25    |
| पंचमप्रश्नपत्रम्   | चलनकलनम् 1-4 अध्यायाः                                   | 02      | 50    |
|                    | अर्वाचीनं ज्योतिर्विज्ञानम्<br>9-16 अध्यायाः            | 01      | 25    |
|                    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                      | 01      | 25    |

ज्योतिषविभागः सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी ।  
सत्र 2023-2024  
**प्रश्नपत्र** चतुर्थसत्रार्द्धम् (सिद्धान्तज्योतिषम्)  
प्रस्तावितपाठ्यक्रमः—

| प्रश्नपत्रसंख्या   | ग्रन्थनामानि                                          | क्रेडिट | अंकाः |
|--------------------|-------------------------------------------------------|---------|-------|
| चतुर्थप्रश्नपत्रम् | सिद्धान्तशिरोमणिः<br>गणिताध्यायस्य मध्यमस्पष्टाधिकारौ | 3       | 75    |
|                    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                    | 01      | 25    |
| पंचमप्रश्नपत्रम्   | सूर्यसिद्धान्तस्य चन्द्रग्रहणतः समाप्तिपर्यन्तम्      | 3       | 75    |
|                    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                    | 01      | 25    |

20.1.24  
20/1/24  
20.01.24.  
20/01/24  
20/1/24

ज्योतिषविभागः  
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी ।  
सत्रम् 2023-2024  
तृतीयसत्रार्द्धम् (फलितज्योतिषम्)  
प्रस्तावितपाठ्यक्रमः

| प्रश्नपत्रसंख्या   | विषयाः                                     | क्रेडिट | अंकाः |
|--------------------|--------------------------------------------|---------|-------|
| चतुर्थप्रश्नपत्रम् | जैमिनिसूत्रम्                              | 02      | 50    |
|                    | प्रथमद्वितीयपादौ                           | 01      |       |
|                    | मुहूर्तमार्तण्डस्य                         |         | 25    |
|                    | विवाहवास्तु प्रकरणम्<br>आन्तरिकमूल्यांकनम् | 01      | 25    |
| पंचमप्रश्नपत्रम्   | जातकालंकारः                                | 02      | 50    |
|                    | केरलप्रश्नसंग्रहः                          | 01      | 25    |
|                    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                         | 01      | 25    |

सन्दर्भग्रन्थाः—

- 1— जैमिनिसूत्रम्— श्री कमलाकान्त शुक्ल (सं०सं०वि०वि०, वाराणसी)
- 2— मुहूर्तमार्तण्डः— सत्येन्द्र मिश्र (कृष्णदास अकादमी, वाराणसी)
- 3— जातकालंकारः— पं० सीताराम झा
- 4— केरलप्रश्नसंग्रहः— सियाराम शास्त्री (भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी)

H. S. S.  
21/12/23

Amul  
21/12/23

AE  
21/12/23

ज्योतिषविभागः  
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी ।  
सत्र 2023-2024  
चतुर्थसत्रार्द्धम् (गणितम्)  
प्रस्तावितपाठ्यक्रमः

पूर्णांकः-100

| प्रश्नपत्रसंख्या   | विषयः                                                                                                                                                                                                                                              | क्रेडिट | अंकाः |
|--------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-------|
| चतुर्थप्रश्नपत्रम् | चलराशिकलने- अनुकलनस्य सामान्या विषयः, मुख्यसूत्राणि खण्डानुकलनम्, लघुकरणसूत्राणि, निश्चितानुकलनम्, क्षेत्रकलनम् चापकलनम्, परिक्रमणजघनानामायतनं पृष्ठफलञ्च ।                                                                                        | 03      | 75    |
|                    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                                                                                                                                                                                                                 | 01      | 25    |
| पंचमप्रश्नपत्रम्   | कणानां गतिशास्त्रे द्वयायामे वेगः, गतिवृद्धिः, न्यूटनस्य गतिनियमाः, सरलरेखात्मिका गतिः, खे (In Vacuum) प्रक्षेपः, वर्तुला सरलहरात्मिका च गतिः । चक्रजे (Cycloid) गतिः, दोलकस्य (Pendulum) गतिः, कायम्, शक्तिः संघातः (Impact) वेगालेखः (Hodograph) | 03      | 75    |
|                    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                                                                                                                                                                                                                 | 01      | 25    |

ज्योतिषविभागः  
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी ।  
सत्र 2023-2024  
चतुर्थसत्रार्द्धम् (गणितम्)  
प्रस्तावितपाठ्यक्रमः

पूर्णांकः-100

| प्रश्नपत्रसंख्या   | विषयः                                                                                                                                                                               | क्रेडिट | अंकाः |
|--------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-------|
| चतुर्थप्रश्नपत्रम् | अवकलसमीकरणे- एकवर्णसमीकरणम् स्थिरगुणीयमेकघातसमीकरणम्, गतिशास्त्रीयाणि, सरलसमीकरणानि, अवकलसमीकरणानां ज्यामितौ, सरलाः प्रयोगाः ।                                                      | 03      | 75    |
|                    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                                                                                                                                                  | 01      | 25    |
| पंचमप्रश्नपत्रम्   | स्थितिशास्त्रे-एकस्मिन् कणे दृढकाये विक्रिताशीलानामेकधरातलीयानां बलानां बलसाम्यम् । रज्जुबहुभुजः (Punicitar Polygon) आभासकार्यम् । गुरुत्वकेन्द्रम्, समरज्जुवक्रः (Common Catanery) | 03      | 75    |
|                    | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                                                                                                                                                  | 01      | 25    |

20/1/24

20-01-24

21.12.23

24.1.24

20/01/24

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्कः- 100

| इकाई संख्या | ग्रन्थनामानि                                                    | क्रेडिट | अंकाः |
|-------------|-----------------------------------------------------------------|---------|-------|
| 1           | जैमिनीन्यायमालाविस्तरस्य प्रथमोऽध्यायतः द्वितीयोऽध्यायपर्यन्तम् | 3       | 75    |
| 2           | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                              | 1       | 25    |

सन्दर्भग्रन्थाः-

- 1- जैमिनीन्यायमालाविस्तरः जीवनानन्द विद्यासागर (चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी)

पंचमप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्कः- 100

| इकाई संख्या | ग्रन्थनामानि                                                                                        | क्रेडिट | अंकाः |
|-------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-------|
| 1           | निर्णयसिन्धुः संवत्सरप्रकरणे चैत्रशुक्लप्रतिपदितः भाद्रपदमासपर्यन्तम् तिथिकृत्यः (द्वितीयपरिच्छेदः) | 1       | 25    |
| 2           | शुद्धिमयूखः (नीलकण्ठकृतः)- आदितः प्रेतानुगन्तुः स्नानादिकम् पर्यन्तम्                               | 1       | 25    |
| 3           | पराशरस्मृतेः प्रायश्चित्ताध्याय- चतुर्थोऽध्यायतः अष्टमोऽध्यायपर्यन्तम्।                             | 1       | 25    |
| 4           | आन्तरिकमूल्यांकनम्                                                                                  | 1       | 25    |

सन्दर्भग्रन्थाः-

- 1- निर्णयसिन्धु (कमलाकर भट्ट) खेमराज श्री कृष्णदास प्रकाशन, बम्बई
- 2- शुद्धिमयूखः (श्री भट्टनीलकण्ठ कृते भगवन्त भास्करे)
- डॉ. वेणीमाधव शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली
- 3- पराशरस्मृतिः- श्री मन्नालाल 'अभिमन्यु' चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

20/01/24

20.01.24

20/12/23

20/11/23  
20/11/24

श्रीपासा

पुराणे विहार विभाग  
 श्री. ए. वि. वि. वाराणसी  
 शास्त्रि तृतीय समीक्षा (तृतीय सेमेस्टर)

2

चतुर्थ पत्रम्

| क्र.सं. | ग्रन्थनाम                  | विधिविधि पाठ्योपायः                  | क्रेडिट | अंक |
|---------|----------------------------|--------------------------------------|---------|-----|
| 01      | बौद्ध धर्मसूत्र-चतुर्विंशः | पुष्पकध्यायः पञ्चदशोऽध्यायपर्यन्तम्  | 01      | 25  |
| 02      | बौद्ध धर्मसूत्र-पञ्चविंशः  | पुष्पकध्यायः विंशति अध्याय पर्यन्तम् | 01      | 25  |
| 03      | उत्पीन धर्मसूत्रविभागः     | गुप्तकालादारभ्य वर्तमानं भागम्       | 01      | 25  |
| 04      | आन्तरिक मूल्यांकन          |                                      | 01      | 25  |

पुराणे विहार विभाग  
 श्री. ए. वि. वि. वाराणसी  
 शास्त्रि. तृतीय समीक्षा (तृतीय सेमेस्टर)

पञ्चम पत्रम्

पूर्णाङ्क - 100  
 क्रेडिट - 04

| क्र.सं. | ग्रन्थनाम                                    | विधिविधि पाठ्योपायः              | क्रेडिट | अंक |
|---------|----------------------------------------------|----------------------------------|---------|-----|
| 01      | बौद्ध धर्मसूत्र-पञ्चविंशः<br>बौद्ध धर्मसूत्र | आदिताः पञ्चविंशोऽध्याय पर्यन्तम् | 01      | 25  |
| 02      | महाभारत अनुशासन पर्वणि                       | आदिताः द्वादश अध्याय पर्यन्तम्   | 01      | 25  |
| 03      | देवी भागवत-पुष्पकध्यायः                      | आदिताः दशम अध्याय पर्यन्तम्      | 01      | 25  |
| 04      | आन्तरिक मूल्यांकन                            |                                  | 01      | 25  |

31/12/24  
 31/12/24  
 03/01/2024  
 21/01/2024  
 02/01/24  
 SKT  
 01-2023

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्कः-७५+२५=१०० (क्रेडिट-४)

| इकाई संख्या | ग्रन्थनामानि                                       | निर्धारित पाठ्यांशः                                                             | क्रेडिट | अङ्काः |
|-------------|----------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------|---------|--------|
| १.          | कामन्दकीय नीतिसारः<br>-पाठ्यसूत्राणि-१-६५ सूत्र    | अष्टमः सर्गः प्रारम्भतः समाप्ति पर्यन्तम्<br>जयमङ्गलाटीकासहितम्                 | १       | २५     |
| २.          | कामन्दकीय नीतिसारः<br>-पाठ्यसूत्राणि-६६-१६० सूत्र  | नवमः सर्गः प्रारम्भतः समाप्ति पर्यन्तम्<br>जयमङ्गलाटीकासहितम्                   | १       | २५     |
| ३.          | कामन्दकीय नीतिसारः<br>-पाठ्यसूत्राणि-१६२-२८६ सूत्र | दशमः सर्गः प्रारम्भतः द्वाविंशतिः (२२)<br>श्लोक पर्यन्तम्<br>जयमङ्गलाटीकासहितम् | १       | २५     |
| ४.          | आन्तरिक मूल्यांकनम्                                |                                                                                 | १       | २५     |

पञ्चमप्रश्नपत्रम्

पूर्णाङ्कः-७५+२५=१०० (क्रेडिट-४)

| इकाई संख्या | ग्रन्थनामानि         | निर्धारित पाठ्यांशः                                                             | क्रेडिट | अङ्काः |
|-------------|----------------------|---------------------------------------------------------------------------------|---------|--------|
| १.          | कौटिलीयार्थशास्त्रम् | (द्वितीयमधिकरणम्)<br>प्रथमाध्यायतः षष्ठाध्यायपर्यन्तम्<br>(१-६) अध्याय          | १       | २५     |
| २.          | कौटिलीयार्थशास्त्रम् | (द्वितीयमधिकरणम्)<br>सप्तमाध्यायतः द्वादशाध्यायपर्यन्तम्<br>(७-१२) अध्याय       | १       | २५     |
| ३.          | कौटिलीयार्थशास्त्रम् | (द्वितीयमधिकरणम्)<br>त्रयोदशाध्यायतः अष्टादशाध्याय-<br>(१३-१८) अध्याय पर्यन्तम् | १       | २५     |
| ४.          | आन्तरिक मूल्यांकनम्  |                                                                                 | १       | २५     |

०८-०८-२४

२४/८/२४  
८-१-२४

२४/८/२४

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

तुलनात्मकधर्मदर्शन-विभागः

२०२० नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः - तुलनात्मकदर्शनम्

कक्षा - शास्त्री (तृतीयाधिसत्रम्) चतुर्थ-पत्रम्

| क्र.सं.             | ग्रन्थः                                                             | पाठ्यांशः                                                                                         | क्रेडिट             | अङ्काः |
|---------------------|---------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------|--------|
| १                   | धर्मदर्शन की रूपरेखा (लक्ष्मीनिधि शर्मा)                            | धर्मदर्शनस्य परिभाषा, धर्मदर्शनस्य समस्या, लक्ष्यं क्षेत्रं च।                                    | १                   | ११     |
| २                   | धर्मदर्शन की रूपरेखा (लक्ष्मीनिधि शर्मा)                            | धर्मदर्शनस्य अन्यविज्ञानैः सह सम्बन्धः, उत्पत्तिविषयसम्बन्धः।                                     | १                   | २५     |
| ३                   | नीतिशास्त्रम् (आचार्य विश्वेश्वर)/भारतीयनीतिशास्त्रम् (दिवाकरपाठकः) | नीतिशास्त्रस्य विवेचनम्, विषयविस्तारः, अन्यैः शास्त्रैः सह सम्बन्धः, नैतिकप्रत्ययः, नैतिकनिर्णयः। | १                   | २०     |
| ४                   | तर्कशास्त्र का परिचय (इरविण कोपी)/तर्कभाषा (केशवमिश्रः)             | तर्कशास्त्रीयविवेचनम्, आधारवाक्यम्, निष्कर्षवाक्यम्, सत्यता-वैधतयोः स्वरूपम्, भाषायाः प्रयोगः।    | १                   | २०     |
| ५                   | आन्तरिक मूल्याङ्कनम्                                                |                                                                                                   |                     | २५     |
| सम्पूर्ण क्रेडिट ०४ |                                                                     |                                                                                                   | संपूर्णाङ्काः - १०० |        |

तृतीयाधिसत्रम् (पञ्चम-पत्रम्)

| अंशः                | ग्रन्थः                                                             | पाठ्यांशः                                                                                                       | क्रेडिट             | अङ्काः |
|---------------------|---------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------|--------|
| १                   | धर्मदर्शन की रूपरेखा (लक्ष्मीनिधि शर्मा)                            | धर्मदर्शनानां प्रकाराः, स्वरूपम्।                                                                               | १                   | १५     |
| २                   | धर्मदर्शन की रूपरेखा (लक्ष्मीनिधि शर्मा)                            | ईश्वरस्य स्वरूपम्, धार्मिकानुभूतीनां दार्शनिकं विश्लेषणम्।                                                      | १                   | २०     |
| ३                   | नीतिशास्त्रम् (आचार्य विश्वेश्वर)/भारतीयनीतिशास्त्रम् (दिवाकरपाठकः) | नीतिशास्त्रस्य मनोवैज्ञानिक आधारः, नैतिकचरणस्य स्वरूपम् च, नैतिकमानानि, तेषां सिद्धान्ताः - अन्तः प्रज्ञावादः।  | १                   | २०     |
| ४                   | तर्कशास्त्र का परिचय (संगमलालपाण्डेय)/तर्कभाषा (केशवमिश्रः)         | परिभाषायाः स्वरूपम्, निगमागमनयोः सम्बन्धः, तस्य स्वरूपम्, निरुपाधितर्कवाक्यम्, निरपेक्षन्यायवाक्यम्, उभयतोपाशः। | १                   | २०     |
| ५                   | आन्तरिक मूल्याङ्कनम्                                                |                                                                                                                 |                     | २५     |
| सम्पूर्ण क्रेडिट ०४ |                                                                     |                                                                                                                 | संपूर्णाङ्काः - १०० |        |

२६/२/२५

8

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी  
तुलनात्मकधर्मदर्शन-विभागः  
२०२० नूतनशिक्षानीत्यानुसारी पाठ्यक्रमः  
विषयः - तुलनात्मकधर्म  
पञ्चा - श्रावणी (तृतीयाधिसत्रम्) चतुर्थ-पत्रम्

| क्रमाः | ग्रन्थः                                                                                                      | पाठ्यांशः                                                                             | क्रेडिट | अङ्काः |
|--------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------|---------|--------|
| १      | चटुर्दशसमुदायः<br>(हरिभट्टसूत्रिः) पाश्चात्यदर्शनम्<br>चन्द्रक-आत्मासम-<br>अण्डास्कर)                        | तापदर्शनस्य परिभाषा, समस्या क्षेत्रम्                                                 | १       | १५     |
| २      | तुलनात्मकधर्म (यादव<br>मसीह), सत्यार्थप्रकाशः<br>(स्वामी दयालन्द)                                            | सिद्धाधर्मस्य, कबीरधर्मस्य, आर्यसमाजस्य च ऐतिहासिकविकासक्रमः।                         | १       | २०     |
| ३      | कल्पवृक्षस्य और ताओ धर्म<br>वया कहता हैं (सर्व सेवा संघ<br>प्रकाशन, वाराणसी)<br>तुलनात्मकधर्म (यादव<br>मसीह) | कल्पवृक्षस्य, ताओ, फारसी धर्मस्य ऐतिहासिक परिवारः।                                    | १       | २०     |
| ४      | कल्पवृक्षस्य और ताओ धर्म<br>वया कहता हैं (सर्व सेवा संघ<br>प्रकाशन, वाराणसी)<br>तुलनात्मकधर्म (यादव<br>मसीह) | कल्पवृक्षी, तुल वू परिवारमक सिद्धाणम्, ताओजे विचारः, फारसी धर्म<br>ईश्वरजनतोः विचारः। | १       | २०     |
| ५      | आन्तरिक मूल्याङ्कनम्<br>सम्पूर्ण क्रेडिट ०४ सम्पूर्णांकः - १००                                               |                                                                                       |         | २५     |

(तृतीयाधिसत्रम्) पञ्चम-पत्रम्

| क्रमाः | ग्रन्थः                                                                                                   | पाठ्यांशः                                                                               | क्रेडिट | अङ्काः |
|--------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------|---------|--------|
| १      | चटुर्दशसमुदायः<br>(हरिभट्टसूत्रिः) पाश्चात्यदर्शनम्<br>चन्द्रक-आत्मासम-अण्डास्कर)                         | भारतीयतापदर्शनम् - उपनिषद्-पूर्वमीमांसा-<br>वेदान्ताः (आध्वर्यमानुजीवेदान्ती)           | १       | १५     |
| २      | तुलनात्मकधर्म (यादव<br>मसीह), सत्यार्थप्रकाशः<br>(स्वामी दयालन्द)                                         | सिद्धाधर्मस्य ईश्वरविचारः, कबीरधर्मस्य तत्त्वज्ञानम्,<br>आर्यसमाजस्य ब्रह्म-जगद्विचारः। | १       | २०     |
| ३      | कल्पवृक्षस्य और ताओ धर्म<br>वया कहता हैं (सर्व सेवा संघ<br>प्रकाशन, वाराणसी) तुलनात्मकधर्म (यादव<br>मसीह) | कल्पवृक्षस्य ज्ञानाचारः सद्गुणाय, ताओ धर्मस्योः परिः सिद्धासथा                          | १       | २०     |
| ४      | कल्पवृक्षस्य और ताओ धर्म<br>वया कहता हैं (सर्व सेवा संघ<br>प्रकाशन, वाराणसी) तुलनात्मकधर्म (यादव<br>मसीह) | फारसीधर्म विचारका-द्विष्टादः, मण्डीतर जीवन् च                                           | १       | २०     |
| ५      | आन्तरिक मूल्याङ्कनम्<br>सम्पूर्ण क्रेडिट ०४ सम्पूर्णांकः - १००                                            |                                                                                         |         | २५     |

२६ ७९  
२०/२/२२

ॐ

ॐ

ॐ

# सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

तुलनात्मकधर्मदर्शन-विभाग

२०२० नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रम

विषयः - दर्शनम्

कक्षा - शास्त्री तृतीयाधिसत्रम् (चतुर्थ-पत्रम्)

| अंशः | ग्रन्थः                  | पाठ्यांशः                                                                 | क्रेडिट | अङ्काः |
|------|--------------------------|---------------------------------------------------------------------------|---------|--------|
| १    | ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्यम् | प्रथमाध्यायस्य प्रथमपादस्य चत्वारिसूत्राणि                                | १       | २५     |
| २    | ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्यम् | प्रथमाध्यायस्य प्रथमपादस्य पञ्चमसूत्रात् आरभ्य एकत्रिंशतसूत्रपर्यन्तम्    | १       | २०     |
| ३    | ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्यम् | प्रथमाध्यायस्य द्वितीयपादस्य प्रथमसूत्रात् षोडशसूत्रपर्यन्तम्             | १       | १५     |
| ४    | ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्यम् | प्रथमाध्यायस्य द्वितीयपादस्य सप्तदशसूत्रादारभ्य द्वात्रिंशतसूत्रपर्यन्तम् | १       | १५     |
| ५    | आन्तरिक मूल्याङ्कनम्     |                                                                           |         | २५     |

तृतीयाधिसत्रम् (पञ्चम-पत्रम्)

| अंशः | ग्रन्थः              | पाठ्यांशः                            | क्रेडिट | अङ्काः |
|------|----------------------|--------------------------------------|---------|--------|
| १    | मानमेयोदयः           | प्रत्यक्षं अनुमानं चेति प्रमाणद्वयम् | १       | २०     |
| २    | मानमेयोदयः           | उपमानात् अनुपलब्धिप्रमाणपर्यन्तम्    | १       | १५     |
| ३    | न्यायविन्दुः         | प्रथमद्वितीयपरिच्छेदौ                | १       | २०     |
| ४    | न्यायविन्दुः         | तृतीयपरिच्छेदः                       | १       | २०     |
| ५    | आन्तरिक मूल्याङ्कनम् |                                      |         | २५     |

*Signature*

२६/११/२३

*Signature*

# सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः

(7)

तुलनात्मक दर्शन सहायक (आधुनिकविषय)

षष्ठ-पत्र

भारतीय एवं पाश्चात्य मनोविज्ञान एवं नीतिशास्त्र

तृतीयसेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर

पाठ्यग्रन्थ -

1. योगदर्शन पतञ्जलि समाधि एवं साधन पाद
2. अर्वाचीन मनोविज्ञानम् - मामकराज कपिल
3. पाश्चात्य नीतिशास्त्र - आचार्य विश्वेश्वर
4. भारतीय नीतिशास्त्र - दिवाकर पाठक
5. श्रीमद्भगवद्गीता - तृतीयोऽध्यायः

तृतीयाधिसत्र(तृतीय सेमेस्टर)

| क्रम | पाठ्यविषय                                                               | क्रेडिट | अंक |
|------|-------------------------------------------------------------------------|---------|-----|
| 1    | मनोविज्ञान परिभाषा, अध्ययन विधि तथा अन्य शास्त्रों से सम्बन्ध           | 1       | 13  |
| 2    | प्राणी, वातावरण, स्नायुमण्डल संवेदना प्रत्यक्षीकरण                      | 1       | 12  |
| 3    | ध्यान, शिक्षण, स्मरण एवं विस्मरण                                        | 1       | 12  |
| 4    | योग की परिभाषा, प्रत्यक्ष एवं अनुमान प्रमाण परिचय                       | 1       | 12  |
| 5    | नीतिशास्त्र की परिभाषा (प्राच्य एवं पाश्चात्य दृष्टि) मनोवैज्ञानिक आधार | 1       | 13  |
| 6    | नैतिक प्रत्यय, नैतिक निर्णय का स्वरूप, नैतिमानदण्ड, चार पुरुषार्थ       | 1       | 13  |
|      | आन्तरिक मूल्यांकन                                                       |         | 25  |

*[Handwritten signatures and marks]*

**संस्कृतविद्याविभागीयपाठ्यक्रमाः**  
**शास्त्रतृतीयाधिसत्रम्**

चतुर्थप्रश्नपत्रम्

पूर्णांकः—75+25= 100

क्रेडिट—04

विषयः— व्याकरणदर्शनम् च

| सं०          | ग्रन्थाः               | पाठ्यांशः                    | क्रेडिट | अंकाः |
|--------------|------------------------|------------------------------|---------|-------|
| प्रथमोऽंशः   | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी | हलन्तप्रकरणम्                | 01      | 25    |
| द्वितीयोऽंशः | वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी | अव्यय, स्त्रीप्रत्ययप्रकरणम् | 01      | 25    |
| तृतीयोऽंशः   | पातंजलयोगसूत्रम्       | प्रथमपादः                    | 01      | 25    |
| चतुर्थोऽंशः  | आन्तरिकमूल्यांकनम्     |                              | 01      | 25    |

पंचम प्रश्नपत्रम्

पूर्णांकः—75+25= 100

क्रेडिट—04

विषयः— साहित्यम्

| सं०          | ग्रन्थाः                                | पाठ्यांशः                                | क्रेडिट | अंकाः |
|--------------|-----------------------------------------|------------------------------------------|---------|-------|
| प्रथमोऽंशः   | शिशुपालवधम्                             | प्रथमसर्गः                               | 01      | 25    |
| द्वितीयोऽंशः | काव्यप्रकाशः<br>(द्वितीय, तृतीयोल्लासौ) | शब्दार्थस्वरूपनिर्णयः<br>अर्थव्यञ्जकता च | 01      | 25    |
| तृतीयोऽंशः   | काव्यप्रकाशः<br>(चतुर्थोल्लासः)         | ध्वनिनिर्णयः                             | 01      | 25    |
| चतुर्थोऽंशः  | आन्तरिकमूल्यांकनम्                      |                                          | 01      | 25    |

शास्त्री - भाषाविज्ञान  
पाठ्यक्रम  
तृतीय सेमेस्टर (अधिसत्र) - चतुर्थ पत्र

सम्पूर्णाङ्क : 75+25=100

|                                                                                                                                    | क्रेडिट |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|
| इकाई - 1 संस्कृत भाषा की संरचना : स्वर एवं व्यञ्जन ध्वनियाँ - परिभाषा एवं वर्गीकरण; लिंग, वचन एवं पुरुष; वाग्भेद (Parts of speech) | 1       |
| इकाई - 2 सिद्धान्त कौमुदी का समास प्रकरण                                                                                           | 2       |
| इकाई - 3 वैदिक एवं लौकिक संस्कृत का ऐतिहासिक परिचय                                                                                 | 3       |
| इकाई - 4 संस्कृत/हिन्दी में लिंग, वचन, पुरुष एवं क्रिया                                                                            | 4       |

संदर्भ ग्रन्थ:

1. सिद्धान्त कौमुदी : भट्टोजि दीक्षित
2. संस्कृत का संरचनात्मक एवं ऐतिहासिक परिचय : डॉ. देवीदत्त शर्मा
3. भाषाविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी

तृतीय सेमेस्टर (अधिसत्र) - पञ्चम पत्र

सम्पूर्णाङ्क : 75+25=100

|                                                                | क्रेडिट |
|----------------------------------------------------------------|---------|
| इकाई - 1 भारतीय भाषा दर्शन की पीठिका का संरचना सम्बन्धी अध्याय | 1       |
| इकाई - 2 पालि, प्राकृत एवं ईरानी का ऐतिहासिक परिचय             | 2       |
| इकाई - 3 भारतीय भाषाविज्ञान का संक्षिप्त परिचय                 | 3       |
| इकाई - 4 पाश्चात्य भाषाविज्ञान का संक्षिप्त परिचय              | 4       |

संदर्भ ग्रन्थ:

1. भारतीय भाषाशास्त्रीय चिन्तन की पीठिका : डॉ. विद्या निवास मिश्र
2. भाषाविज्ञान एवं भाषा शास्त्र : डॉ. कपिल देव द्विवेदी
3. आधुनिक भाषाविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी

Dr. Praveen Chandra  
(Dr. Praveen Chandra)

विद्या निवास मिश्र  
05/01/2024

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन एवं भारत का संविधान  
(भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन 1885-1947)

क्रेडिट-4

अधिकतम अंक-75+25

प्रत्येक सेमेस्टर में एक-एक प्रश्न पत्र 75 अंको का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र 25 अंक रेगुलेरिटी/प्रेजेण्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

इकाई-1

1. भारतीय राष्ट्रवाद का उद्भव एवं विकास।
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (उद्भव एवं कारण)।
3. उदारवादी एवं अनुदारवादी।
4. असहयोग आन्दोलन।

इकाई-2

5. सविनय अवज्ञा आन्दोलन।
6. भारत छोड़ो आन्दोलन 1942।
7. मुस्लिम साम्प्रदायिकता एवं भारत का विभाजन।
8. 1947 का स्वतन्त्रता अधिनियम।

भारत का संविधान

इकाई-3

1. विशेषता।
2. प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, नीतिनिर्देशक सिद्धान्त, संघात्मक व्यवस्था।

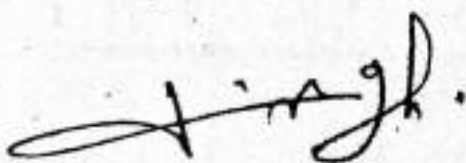
इकाई-4

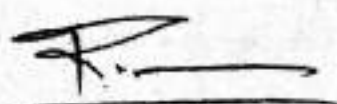
3. संघ सरकार-राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री, निर्वाचनशक्ति, मन्त्रिपरिषद्-शक्ति एवं स्थिति, राज्यसभा एवं लोकसभा, शक्ति एवं संगठन, सर्वोच्च न्यायालय-शक्ति एवं संगठन।
4. राज्य सरकार-गवर्नर, शक्ति एवं स्थिति, मुख्यमंत्री एवं मन्त्रिमण्डल-शक्ति, संगठन एवं स्थिति।

सन्दर्भ-ग्रन्थ

1. भारत का संवैधानिक एवं राष्ट्रीय इतिहास - गुरुमुख निहाल सिंह।
2. भारत का संविधान - के.एल. वर्मा।
3. भारतीय राजनीति - जी.के. गहराना।
4. भारतीय सरकार व राजनीति - एम.पी. शर्मा।
5. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन व संवैधानिक विकास - जे.पी. सूद।
6. ए कमेन्टरी ऑन दी कान्स्टीट्यूशन ऑफ इण्डिया - डी.डी. वसु।
7. कान्स्टीट्यूशनल गवर्नमेण्ट इन इण्डिया - एम.वी. पाली।

9.10.23



  
9-10-23

शास्त्री-तृतीय सेमेस्टर  
अर्थशास्त्र (पठ्यक्रम)  
मुद्रा, बैंकिंग, विदेशी विनिमय एवं लोकवित्त

क्रेडिट-4

अधिकतम अंक-75+25

न्यूनतम अंक-36

प्रत्येक सेमेस्टर में एक-एक प्रश्न पत्र 75 अंकों का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र 25 अंक रेगुलेरिटी/प्रेजेंटेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

इकाई-1

मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त, बचत व विनियोग सिद्धान्त (Saving & Investment theory), निर्देशांक-निर्माण, महत्त्व व सीमाये, मुद्रास्फीति व अपस्फीति (Inflation & Deflation), साख-मुद्रा का निर्माण, मौद्रिक मान-स्वर्णमान, पत्रमान।

इकाई-2

बैंकिंग-बैंकों के कार्य एवं महत्त्व, केन्द्रीय बैंक, साख नियन्त्रण के ढंग, बैंकों का राष्ट्रीयकरण।

इकाई-3

विदेशी विनिमय-दर, उसका निर्धारण व उसमें परिवर्तन, स्वर्णबिन्दु क्रयशक्ति समता सिद्धान्त (Purchasing Power Parity Theory), भुगतान सन्तुलन, अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक संस्थाये।

इकाई-4

कर निर्धारण के सिद्धान्त, सार्वजनिक व्यय, सार्वजनिक ऋण, राजकोषीय नीति (Fiscal Policy), राजस्व सम्बन्धी कौटिल्य के सिद्धान्त।

21/10/23  
9.10.23

9/10/2023 9.10.23

क्रेडिट-4

अधिकतम अंक-75+25

न्यूनतम अंक-36

प्रत्येक सेमेस्टर में एक-एक प्रश्न पत्र 75 अंको का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र 25 अंक रेगुलेरिटी/प्रेजेन्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

इकाई-1

दक्षिण में आंग्ल-फ्रांसीसी संघर्ष, पानीपत का तृतीय युद्ध, प्लासी एवं बक्सर का युद्ध, अंग्रेजी राज्य की स्थापना एवं क्लाइव, हेस्टिंग्स, कार्नवालिस, वेलेजली, डलहौजी, बेंटिक।

इकाई-2

भारत-नेपाल सम्बन्ध, भारत-बर्मा संघर्ष, अफगानिस्तान, वर्मा एवं तिब्बत के साथ संघर्ष एवं सम्बन्ध।

इकाई-3

कम्पनी एवं भारतीय राज्यों का सम्बन्ध(मराठा, मैसूर, अवध, हैदाराबाद), 1857 का प्रथम मुक्ति संग्राम, भारत ब्रिटिश शासन में (लिटन, रिपन, कर्जन)।

इकाई-4

रेगुलेटिंग एक्ट, पिट्स इण्डिया एक्ट, 1909, 1919, 1935 के अधिनियम, भारत में पुनर्जागरण आन्दोलन।

सन्दर्भ-ग्रन्थ

1. भारतीय इतिहास (तीन खण्ड)- जी. एस. छाबड़ा
2. आधुनिक भारत का इतिहास -बी. एल. ग्रोवर व यशपाल
3. आधुनिक भारत का इतिहास- एम. एस. जैन
4. अर्वाचीन भारत -ईश्वरीय प्रसाद और शरद कुमार सूबेदार
5. आधुनिक भारत का इतिहास -सरकार और दत्त
6. ए हिस्ट्री ऑफ इण्डिया - पी. स्पीयर
7. भारत का स्वतंत्रता संघर्ष- बिपिन चन्द्र
8. हिस्ट्री ऑफ ब्रिटिश इण्डिया -पी.ई.राबर्ट।
9. आधुनिक भारत का इतिहास -जे.पी. मिश्रा

श्री. ल. क. गुप्ता  
9.10.23

य. क.

क. —  
9.10.23

श्री. ल. क. गुप्ता  
9.10.23

पुराणेतिहासविभागः

शास्त्रिपरीक्षा "ख" वर्ग (इतिहास -पुराण एवं संस्कृति)

तृतीय-सेमेस्टर (षष्ठ-पत्रम्)

पूर्णांक-७५+२५=१००

क्रेडिट-०४

| क्र. | ग्रन्थ-नाम                            | पाठ्यांशः                                                                                                     | क्रेडिट | अंकाः |
|------|---------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-------|
| १    | प्राचीन भारतीय साहित्य एवं वैदिक समाज | वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय                                                                                | १       | २५    |
| २    | पुराण वाङ् मय का परिचय                | रामायण के प्रमुख पात्र एवं प्रमुख आख्यान(राम भरत हनुमान दशरथ सुग्रीव लक्ष्मण सीता कैकेयी रावण विभीषण इत्यादि) | १       | २५    |
| ३    | प्राचीन भारतीय समाज                   | वर्ण एवं जाति आश्रम संस्कार परिवार एवं विवाह                                                                  | १       | २५    |
| ४    |                                       | आन्तरिकमूल्याङ्कनम्                                                                                           | १       | २५    |

शास्त्री-तृतीय सेमेस्टर  
प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति  
विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ

क्रेडिट-4

अधिकतम अंक-75+25

षष्ठ-प्रश्न पत्र

न्यूनतम अंक-36

प्रत्येक सेमेस्टर में एक-एक प्रश्न पत्र 75 अंको का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र 25 अंक रेगुलेरिटी/प्रेजेन्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

इकाई-1

मानव सभ्यता के उद्भव के विभिन्न सोपानों का सर्वेक्षण, नदियों की घाटियों में सभ्यताओं का उद्भव।

इकाई-2

पश्चिम एशिया की सभ्यताएँ-सुमेरिया, बेबीलोनिया, सीरिया, ईराक, मिश्र, यूनान, ईरान एवं चीन की सभ्यता।

इकाई-3

दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति, उपनिवेशीकरण के कारण एवं सम्पर्क के माध्यम, कम्बुज, चम्पा, जावा, सुमात्रा।

इकाई-4

दक्षिण पूर्व एशिया के समाज, शिक्षा एवं साहित्य कला का अध्ययन।

सहायक-पुस्तकें

1. विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ- श्रीराम गोयल।
2. विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ- शिवस्वरूप सहाय।
3. विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ- रामछत्र मिश्रा।
4. विश्व इतिहास - रामप्रसाद त्रिपाठी।
5. सभ्यता की कहानी - विल डूरेन्ट।
6. सुदूर पूर्व भारतीय संस्कृति एवं उसका इतिहास -बैजनाथ पूरी।
7. सुदूर पूर्व में भारतीय उपनिवेश -आर.सी. मजूमदार।
8. दक्षिण-पूर्वी और दक्षिणी-एशिया में भारतीय संस्कृति - सत्यकेतु विद्यालंकार।

श्रीलक्ष्मी कुमारी

9.10.23

प्रधान

9.10.23

(6)

शास्त्री-तृतीय सेमेस्टर  
प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति  
विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ

क्रेडिट-4

अधिकतम अंक-75+25

षष्ठ-प्रश्न पत्र

न्यूनतम अंक-36

प्रत्येक सेमेस्टर में एक-एक प्रश्न पत्र 75 अंको का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र 25 अंक रेगुलेरिटी/प्रेजेण्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

इकाई-1

मानव सभ्यता के उद्भव के विभिन्न सोपानों का सर्वेक्षण, नदियों की घाटियों में सभ्यताओं का उद्भव।

इकाई-2

पश्चिम एशिया की सभ्यताएँ-सुमेरिया, बेबीलोनिया, सीरिया, ईराक, मिश्र, यूनान, ईरान एवं चीन की सभ्यता।

इकाई-3

दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति, उपनिवेशीकरण के कारण एवं सम्पर्क के माध्यम, कम्बुज, चम्पा, जावा, सुमात्रा।

इकाई-4

दक्षिण पूर्व एशिया के समाज, शिक्षा एवं साहित्य कला का अध्ययन।

सहायक-पुस्तकें

1. विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ- श्रीराम गोयल।
2. विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ- शिवस्वरूप सहाय ।
3. विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ- रामछत्र मिश्रा।
4. विश्व इतिहास - रामप्रसाद त्रिपाठी।
5. सभ्यता की कहानी - विल डूरेन्ट।
6. सुदूर पूर्व भारतीय संस्कृति एवं उसका इतिहास -बैजनाथ पूरी।
7. सुदूर पूर्व में भारतीय उपनिवेश -आर.सी. मजूमदार।
8. दक्षिण-पूर्वी और दक्षिणी-एशिया में भारतीय संस्कृति - सत्यकेतु विद्यालंकार।

21/10/23

9/10/23

9-10-23

क्रेडिट-4

अधिकतम अंक-75+25

न्यूनतम अंक-36

प्रत्येक सेमेस्टर में एक-एक प्रश्न पत्र 75 अंको का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र 25 अंक रेगुलेरिटी/प्रेजेण्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

इकाई-1

पर्यावरण की संकल्पना, परिस्थैतिकी एवम् परिस्थैतिकी तन्त्र।

इकाई-2

भूमि, जल, वायु प्रदूषण, वन विनष्टीकरण, ठोस अपशिष्ट निस्तारण।

इकाई-3

टेहरी बाँध एवम् नर्मदा घाटी परियोजना, हरितग्रह प्रभाव तथा वैश्विक तापन।

इकाई-4

बाढ़, सूखा, भू-स्खलन, रासायनिक एवम् आजविक आपदा-आपदा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण एवम् सतत विकास।

सहायक पुस्तकें-

1. पर्यावरण, आपदा प्रबन्धन एवम् जलवायु परिवर्तन -डा. रतन जोशी, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
2. पर्यावरण आपदा प्रबन्धन व जलवायु परिवर्तन -डॉ. गणेश कुमार पाठक, राजेश पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
3. पर्यावरण एवम् संविकास -प्रो. जगदीश सिंह, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर।
4. पर्यावरण भूगोल -प्रो. सविन्द्र सिंह, प्रयाग पुस्तक भवन, प्रयागराज।

and

22/10/22

### प्रयोगात्मक-

1. सांख्यिकी आंकड़ों का भूगोल में उपयोग आंकड़ों की प्राप्ति का श्रोत, सारणीयन।
2. आवृत्ति आयत चित्र, आवृत्ति बहुभुज, आवृत्ति वक्र, संचयी आवृत्ति वक्र।
3. मध्यमान, मध्यिका, बहुलक, सह:सम्बन्ध, सेक्सटैण्ट सर्वेक्षण।

### प्रयोगात्मक सहायक पुस्तकें-

1. प्रयोगात्मक भूगोल -प्रो. हीरालाल, वसुन्धरा प्रकाशन गोरखपुर।
2. प्रयोगात्मक भूगोल के मूल तत्त्व -प्रो. आर.एस. सिंह, तारा पब्लिकेशन्स।
3. प्रयोगात्मक भूगोल -डॉ. लोकेश श्रीवास्तव, शारदा पुस्तक भवन, प्रयागराज।
4. प्रायोगिक भूगोल -मामोरीया व डॉ. दीपक माहेश्वरी, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा।
5. प्रायोगिक भूगोल -आर.एन. मिश्रा व पी.के. शर्मा, रावत पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।

and

Shri. Anand

9-10-23

J.S.

9-10-23

विभाग

आधुनिक भाषा एवं भाषा विज्ञान विभाग

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

शास्त्री द्वितीय वर्ष (छठ पत्र) (हिन्दी)

शास्त्री तृतीय सेमेस्टर

(प्रस्तावित पाठ्यक्रम)

पूर्णांक:- 75 + 25 = 100

| क्रम संख्या | ग्रन्थ का नाम                                                         | निर्धारित पाठ्यक्रम                                                                                                                             | क्रेडिट | अंक |
|-------------|-----------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------|-----|
| 1           | आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ-डॉ. नामवर सिंह             | आधुनिक काव्य पीयूष- व्याख्या<br>प्रो. विसम्मर नाथ                                                                                               | 01      | 25  |
| 2           | छायावाद की प्रासंगिता<br>डॉ. रमेशचन्द्र शाह<br>छायावाद-डॉ. नामवर सिंह | आधुनिक काव्य पीयूष- कवि और काव्य की समीक्षा, हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, भावपक्ष-कलापक्ष (छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा नयी कविता) | 01      | 25  |
| 3           | हिन्दी साहित्य का इतिहास<br>आचार्य रामचन्द्र शुक्ल                    | हिन्दी काव्य का इतिहास (छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा नयी कविता)                                                                            | 01      | 25  |
| 4           | आन्तरिक मूल्यांकन                                                     |                                                                                                                                                 | 01      | 25  |

(प्रो. राजीव कुमार) 05/01/2023

(प्रो. राजीव कुमार) 05/01/2024

(प्रो. विद्याकुमार) विष्णु 05/01/2024

शास्त्री द्वितीय वर्ष (षष्ठ पत्र)  
विषय नेपाली (वैकल्पिक)  
तृतीय अधिसत्र (तृतीय सेमेस्टर)

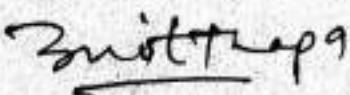
पूर्णांक 75+25=100  
क्रेडिट अंक

नेपाली भाषा की उत्पत्ति एवं विकास

|                                |                          |      |
|--------------------------------|--------------------------|------|
| इकाई १ भाषा विज्ञान            | डा. चूडामणि बन्धु        | 1-25 |
| इकाई २ नेपाली भाषा की उत्पत्ति | डा. चूडामणि बन्धु        | 1-25 |
| इकाई ३ मध्यचन्द्रिका           | पण्डितराज सोमनाथ सिग्देल | 1-25 |
| इकाई ४ आन्तरिक मूल्यांकन       |                          | 1-25 |

सन्दर्भ ग्रन्थ -

|                               |                       |
|-------------------------------|-----------------------|
| नेपाली भाषा र साहित्य         | डा. डिल्लीराम तिमसिना |
| नेपाली भाषा र साहित्य         | बालकृष्ण पोखरेल       |
| पाँच सय वर्ष                  | बालकृष्ण पोखरेल       |
| नेपाली भाषाको बनोट            | गोपालनिधि तिवारी      |
| गोर्खा भाषा व्याकरण चन्द्रिका | पं. हेमराज पण्डित     |
| जन-जिब्रो                     | महानन्द सापकोटा       |

  
05.01.2024

  
05.01.2024

शास्त्री द्वितीय-वर्ष परीक्षा  
तृतीय सेमेस्टर  
समाजशास्त्र

क्रेडिट-4

अधिकतम अंक-75+25

षष्ठ-प्रश्न पत्र

न्यूनतम अंक-36

प्रत्येक सेमेस्टर में एक-एक प्रश्न पत्र 75 अंको का होगा तथा प्रत्येक प्रश्न पत्र 25 अंक रेगुलेरिटी/प्रेजेण्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित है।

**समाजशास्त्र के सिद्धान्त**

सामाजिक प्रक्रियाओं का अर्थ एवं महत्त्व। प्रमुख सामाजिक प्रक्रियाएँ- विभेदीकरण, सामाजिक सहयोग, संघर्ष एवं प्रतिस्पर्धा।

सामाजिक नियन्त्रण का अर्थ एवं महत्त्व। सामाजिक नियन्त्रण के साधन- प्रथा, शिक्षा, जनमत एवं विधान। सामाजिक नियन्त्रण के माध्यम- परिवार, राज्य, धार्मिक संस्थाएँ एवं कला।

सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा। सामाजिक परिवर्तन के कारक- प्रौद्योगिक-आर्थिक एवं सामाजिक कारक।

सामाजिक परिवर्तन, उद्विकास एवं प्रगति की अवधारणाएँ।

**सहायक-पुस्तकें**

1. समाजशास्त्र परिचय- रामपाल सिंह गौड़।
2. समाजशास्त्र के सिद्धान्त एवं प्रयोग-राजाराम शास्त्री
3. समाजशास्त्र के सिद्धान्त-सक्सेना एवं मुखर्जी।
4. सोशियोलॉजी- एच.एम. बॉटमोर।
5. सिस्टेमेटिक सोशियोलॉजी-कार्ल मानहाइम।
6. सामाजिक परिवर्तन- राम आहूजा।

9.10.2023

9-10-23

9.10.23

2



सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

लासी - तृतीयधिसरे

शेखाद विषय:

षष्ठ - प्रश्नपत्रम् (वैकल्पिक)

पूर्णांक: - 75 + 25 = 100

क्रेडिट अंक

इकाई - 1

(क) दीपनिकाय - स्वामीजीकृतमुक्त ।

(ग) जातक - सप्तजातक, जन्मकुण्डलातक, वानरीदजातक, बकजातक, सीहचम्पजातक ।

-15  
-15  
→ 1 30

इकाई - 2

पालि व्याकरण - पालि शब्द रूप 'बुद्ध, लता, फल ।

भवादिगण के धातु रूप - पठ, गम, हस (तीनों कालों में) ।

1 25

इकाई - 3

अभ्यास व अनुवाद (पालि से हिन्दी, हिन्दी से पालि) ।

1 20

आन्तरिक मूल्यांकन -

1 25

सहायक ग्रन्थाः -

- 1) दीपनिकाय - स्वामी द्वारिकादासशास्त्री, बौद्धभारती, वाराणसी ।
- 2) जातक - भट्टन आनन्द कौमल्यवादन, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।
- 3) डिजिटल पालि रीडर
- 4) पालि व्याकरण - भिक्षु धर्मरहित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी ।

पाठ्यक्रम के परिणाम -

- 1) बुद्ध के पूर्व जन्म की कथाओं के माध्यम से तात्कालिक समाज का ज्ञान ।
- 2) पालि भाषा के शब्दरूप और धातुरूप का ज्ञान ।

शास्त्री-भाषाविज्ञान  
वैकल्पिक  
तृतीय सेमेस्टर (अधिसत्र) - षष्ठ पत्र

सम्पूर्णाङ्क : 75+25=100

|                                                                    | क्रेडिट |
|--------------------------------------------------------------------|---------|
| इकाई - 1 ऐतिहासिक भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय, स्वरूप एवं महत्त्व | 1       |
| इकाई - 2 भाषा परिवर्तन एवं रूप परिवर्तन : कारण एवं दिशाएँ          | 2       |
| इकाई - 3 ध्वनि परिवर्तन एवं अर्थ परिवर्तन : कारण एवं दिशाएँ        | 3       |
| इकाई - 4 ध्वनि नियम : ग्रिम, ग्रासमान एवं वर्नर नियम               | 4       |
| संदर्भ ग्रन्थ:                                                     |         |

1. ऐतिहासिक भाषाविज्ञान : डॉ. जय कुमार जलज
2. भाषाविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी

05/01/2024  
प्रसिद्ध :  
(Dr. Premvir Singh)

(Dr. Praveen Garg)

विद्यार्थी  
05/01/2024

सैद्धान्तिक पत्र

सैद्धान्तिक पत्र

घण्टा  
(60)

| इकाई    | सैद्धान्तिक पत्र                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         | घण्टा<br>(60) |
|---------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------|
| प्रथम   | <ol style="list-style-type: none"> <li>1. भोजन योजना- परिभाषा, महत्व, भोजन योजना को प्रभावित करने वाले कारक।</li> <li>2. शैशवावस्था और बचपन के दौरान पोषण पोषण की आवश्यकता, आरडीए और आहार योजना।</li> <li>3. किशोरावस्था, वयस्कता और बुढ़ापे के दौरान पोषण। पोषण आवश्यकता, आरडीए और आहार योजना विशेष।</li> </ol>                                                                                                                                                                                                                                                                                         | 15            |
| द्वितीय | <ol style="list-style-type: none"> <li>4. स्थिति गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान पोषण पोषण की आवश्यकता, आरडीए और आहार योजना।</li> <li>5. प्रसवोपरान्त माता और शिशु की देखरेख, आहार स्तनपान और कृत्रिम पोषण, स्तन्य त्याग और पूरक खाद्यान्न।</li> <li>6. मध्य बाल्यावस्था के विकासात्मक कार्य एवं विशेषताएँ अवधि <ul style="list-style-type: none"> <li>• शारीरिक और मोटर विकास</li> <li>• सामाजिक एवं भावनात्मक विकास</li> <li>• ज्ञान संबंधी विकास</li> <li>• भाषा विकास</li> </ul> </li> </ol>                                                                                                          | 15            |
| तृतीय   | <p>यौवन और किशोरावस्था</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• विकास कार्य एवं विशेषताएँ महत्वपूर्ण शारीरिक शारीरिक एवं हार्मोनल परिवर्तन तरुणाई।</li> <li>• स्वयं और पहचान, पहचान और व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक विकास।</li> <li>• परिवार और सहकर्मी संबंध</li> </ul> <p>समस्याएँ - नशीली दवाओं और शराब का दुरुपयोग, एसटीडी, एचआईवी/एड्स, किशोर गर्भावस्था।</p> <p>किशोरावस्था के दौरान संज्ञानात्मक, भाषा और नैतिक विकास: संज्ञानात्मक विकास, बुद्धि और रचनात्मकता के विकास पर परिप्रेक्ष्य</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• किशोर भाषा</li> <li>• किशोर नैतिकता</li> </ul> | 15            |
| चतुर्थ  | <p>वयस्कता का परिचय:</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• संकल्पना, किशोरावस्था से वयस्कता की ओर संक्रमण</li> <li>• वयस्कता के विकासात्मक कार्य</li> <li>• युवा वयस्कता से देर वयस्कता तक शारीरिक और शारीरिक परिवर्तन जिम्मेदारियाँ और समायोजन-शैक्षिक, व्यावसायिक, वैवाहिक और पितृत्व</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                | 15            |

सैद्धान्तिक पत्र आन्तरिक मूल्यांकन

अंक

|                           |    |
|---------------------------|----|
| • कक्षा वाद-विवाद         | 10 |
| • प्रस्तुतिकरण            | 05 |
| • समीनार, प्रश्नोत्तरी    | 05 |
| • प्रस्तावित निबन्ध कार्य | 05 |
| कुल योग                   | 25 |

Vidhu

S.M

AB

नरिन्द्र कुमार

| क्र०सं० | प्रायोगिक                                                                                                                |
|---------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 1.      | बाल साहित्य तैयार करें।                                                                                                  |
| 2.      | बाल देखभाल केन्द्रों/आंगनवाड़ी का दौरा करना।                                                                             |
| 3.      | किशोर लड़कियों और लड़कों की जीवनशैली, व्यवहार और समस्याओं को समझने के लिए उनका साक्षात्कार लिया गया।                     |
| 4.      | जीवन के विभिन्न चरणों, जैसे स्कूल जाने वाले बच्चों, किशोरों, युवा वयस्कों के बारे में अधिक जानने के लिए केस अध्ययन करें। |

|    | प्रायोगिक पत्र आन्तरिक मूल्यांकन                                                                              | अंक |
|----|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----|
|    |                                                                                                               | 25  |
| 1. | प्रायोगिक कार्य आधारित परिचर्चा<br>क्षेत्र भ्रमण/विभिन्न प्रयोगशाला भ्रमण औद्योगिक प्रशिक्षण सर्वे, एकत्रिकरण | 10  |
| 2. | माडल से सम्बन्धित अभिलेख                                                                                      | 10  |
| 3. | वाद-विवाद/प्रश्नोत्तरी एवं प्रस्तुतिकरण                                                                       | 05  |

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |  |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--|
| <p><b>सहायक पुस्तकें-</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>•पोषण की नई दिल्ली 2014 पाठ्य पुस्तक मेडिको रिक्रेशर प्रकाशक, आगरा, 2018 सुभांगिनी ए जोशीय पोषण और आहार विज्ञान, मैक ग्रा हिल एजुकेशन, प्राइवेट लिमिटेड।</li> <li>• कुमुद खन्ना, पोषण और आहार विज्ञान की पाठ्यपुस्तक, एलीट पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2013, 7वां संस्करण।</li> <li>• स्वामीनाथन एम, भोजन और पोषण की अनिवार्यता खंड 1 और 2 मोनास्टर जीजे 1 किशोर विकास जीवन कार्य। मैक. ग्रा हिल (1977)।</li> <li>• आधुनिक विकासात्मक मनोविज्ञान, हरपलानी। आहार विज्ञान श्री विनोद पुस्तक मंदिर आगरा संस्करण तृतीय 2015 एवं उपचारात्मक पोषण, स्टार प्रकाशन, आगरा।</li> </ul> |  |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--|

*Vidhu*

*Alley*

*SM*

*नरेश कुमार*

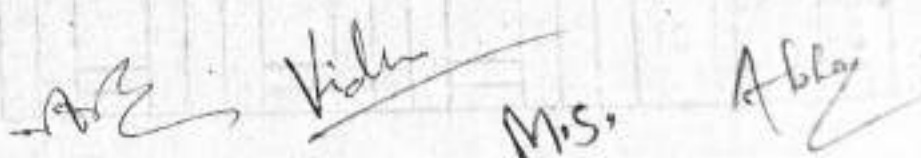
**शास्त्री द्वितीय**  
**तृतीय सेमेस्टर**  
**वनस्पति विज्ञान (सैद्धान्तिक)**  
**(क्रेडिट - 4)**

कुल अंक : 100

लिखित : 75

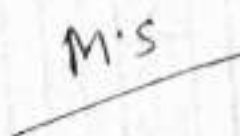
आन्तरिक : 25

| इकाई | सैद्धान्तिक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         | व्याख्यान की संख्या (कुल 60 घंटा) |
|------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------|
| 1    | <b>वर्गीकी संसाधन एवं नामकरण (Taxonomic Resources &amp; Nomenclature):</b><br>वर्गीकी के घटक (Components of taxonomy), पहचान, नामकरण, वर्गीकरण (identification, nomenclature, classification), वर्गीकी संसाधन (Taxonomic resources), हर्बेरियम; कार्य एवं महत्वपूर्ण हर्बेरिया (functions & important herbaria), वानस्पति उद्यान (Botanical Gardens), आई.सी.एन. के आधार पर वानस्पतिक नामकरण के नियम और सिद्धान्त (Principles and rules of Botanical Nomenclature according to ICN)। | 7                                 |
| 2    | <b>वर्गीकरण के प्रकार एवं प्रमाण (Types of classification &amp; Evidences):</b><br>कृत्रिम (Artificial), प्राकृतिक (Natural) एवं वंशावली (Phylogenetic), वेथम एवं हुकर तन्त्र (Bentham and Hooker system) का परिचय एवं वर्गीकरण, एंगलर एवं प्रान्टल तन्त्र (Engler and Prantl system) का परिचय एवं वर्गीकरण, आवृततबीजी जातिवृत्त समूह (angiosperm phylogeny group; APG) वर्गीकरण।                                                                                                   | 8                                 |
| 3    | निम्नलिखित कुलों के प्रमुख लक्षण की पहचान एवं आर्थिक महत्व (economic importance) के वनस्पतियों का अध्ययन:<br>ग्रामीनी (Graminae), पामी (Palmae), क्रुसीफेरी (Cruciferae)                                                                                                                                                                                                                                                                                                            | 7                                 |
| 4    | निम्नलिखित कुलों के प्रमुख लक्षण की पहचान एवं आर्थिक महत्व (economic importance) के वनस्पतियों का अध्ययन:<br>लेग्यूमीनोसी (Leguminosae), यूफोरबीएसी (Euphorbiaceae), अमवेलीफेरी (Umbelliferae)                                                                                                                                                                                                                                                                                      | 8                                 |
| 5    | <b>पादप पहचान में उपकरण एवं साफ्टवेयर (Tools &amp; Software's in plant identification):</b><br>• भूगोलिक सूचना प्रणाली (GIS); परिचय, जी.आई.एस. के घटक                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | 8                                 |

  
M.S.

|   |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |   |
|---|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|
|   | <ul style="list-style-type: none"> <li>• मुक्त जाति वृत्तिय साफ्टवेयर (Free Phylogenetic Software); फिलिप (PHYLP)</li> <li>• इ-फ्लोरा (e-Flora), डेल्टा (DELTA/ Description Language for Taxonomy)</li> </ul>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |   |
| 6 | <b>कम्प्यूटर उपयोग तथा एन्ड्रायड अप्लीकेशन (Computer usage &amp; Android Applications):</b> <ul style="list-style-type: none"> <li>• कम्प्यूटर प्रणाली (Computer system); परिचय, कम्प्यूटर की पीढ़ी (Computer generation) एवं कम्प्यूटर की विशेषतायें।</li> <li>• स्टोरेज डिवाइस (Storage device) ; परिचय, प्रारम्भिक मेमोरी (Primary memory), सेकेण्डरी मेमोरी (Secondary memory)।</li> <li>• साफ्टवेयर भाषायें (Software language), माइक्रोसाफ्ट आफिस (MS Office), माइक्रोसाफ्ट एक्सेल (Microsoft Excel), माइक्रोसाफ्ट वर्ड (Microsoft word), माइक्रोसाफ्ट पावर प्वाइंट (Microsoft power point)।</li> </ul> | 7 |
| 7 | <b>पौधों की पहचान करने वाले एनड्रायड एप्लीकेशन (Plant Identification Android application), वनस्पति विज्ञान की इन्टरनेट निर्देशिका (Internet directory for botany)।</b>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        | 5 |
| 8 | <b>पौधों के सौन्दर्य सम्बन्धित विशेषतायें (Aesthetic Characteristics of Plants):</b><br>परिचय, पौधों का रूप, पौधों की बनावट, पौधों का आकार एवं रंग।<br>उद्यान (Garden): परिचय, औपचारिक एवं अनौपचारिक उद्यान (Formal & Informal garden), उद्यान की बनावट (Features of a garden)।<br>संरक्षण शाला (Conservatory), हरित गृह, (Green Houses), इन्डोर उद्यान (Indoor garden), जल उद्यान (Water garden), छत उद्यान (Roof garden), वोनसाई (Bonsai)।<br>भारत के कुछ प्रसिद्ध उद्यान (Some Famous gardens of India)।                                                                                                   | 8 |

| सैद्धान्तिक पत्र आन्तरिक मूल्यांकन | कुल अंक (25) |
|------------------------------------|--------------|
| कक्षा वाद-विवाद                    | 5            |
| प्रस्तुतीकरण                       | 5            |
| सेमिनार, प्रश्नोत्तरी              | 5            |
| प्रस्तावित निबंध कार्य             | 10           |



शास्त्री द्वितीय  
तृतीय सेमेस्टर  
वनस्पति विज्ञान (प्रायोगिक)  
(क्रेडिट - 2)

कुल अंक : 100

लिखित : 75

आन्तरिक : 25

| प्रयोग<br>संख्या                                | प्रायोगिक कार्य                                                                                                                                                                                                    | व्याख्यान<br>की संख्या<br>(कुल 60 घंटा) |
|-------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------|
| काई -1                                          |                                                                                                                                                                                                                    | 7                                       |
| 1                                               | वनस्पति उद्यान (Botanical garden) एवं वनस्पति संग्रह (Plant Collection)।<br>हर्बेरियम (Herbarium) : संरक्षण (Preservation) और दस्तावेजीकरण (Documentation)।                                                        |                                         |
| 2                                               | हर्बेरियम तकनीक का चरणबद्ध अभ्यास (Stepwise Practising Herbarium techniques)।                                                                                                                                      | 10                                      |
| काई -2                                          |                                                                                                                                                                                                                    |                                         |
| 4                                               | पौधों की संरचना के आधार पर पहचान एवं वर्गीकरण।                                                                                                                                                                     |                                         |
| 5                                               | <ul style="list-style-type: none"> <li>वर्गीकरण विवरण के आधार पर 06 पौधों का पहचान एवं वर्गीकरण (Classification)।</li> <li>पादप आकृति विज्ञान, शरीर रचना विज्ञान, प्रजनन अंग, आवास, अनुकूलन विसंगतियां।</li> </ul> |                                         |
| 6                                               | बेंथम एवं हुकर (Bentham and Hooker) प्राकृतिक प्रणाली के अनुसार पौधों का वर्गीकरण।                                                                                                                                 |                                         |
| 7                                               | ग्रामीनी (Graminae), क्रुसीफेरी (Cruciferae), लेग्यूमिनोसी (Leguminosae), यूफोर्बियासी (Euphorbiaceae)।                                                                                                            |                                         |
| काई -3                                          |                                                                                                                                                                                                                    | 8                                       |
| 8                                               | विभिन्न क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान स्थलीय पौधों की पहचान।                                                                                                                                                            |                                         |
| 9                                               | विभिन्न कुलों के जंगली पौधों की स्थलीय पहचान।                                                                                                                                                                      |                                         |
| 10                                              | अर्धतकनीकी भाषा में फूलों (Flowers) का वर्णन एवं तुलनात्मक अध्ययन।                                                                                                                                                 |                                         |
| काई -4                                          |                                                                                                                                                                                                                    | 6                                       |
| 11                                              | शैवाल, कवक, ब्रायोफाइट, टेरीडोफाइट का संरक्षण और भण्डारण (इसमें से कोई दो)।                                                                                                                                        |                                         |
| काई -5 : वनस्पतिक नामकरण एवं प्रस्ताविक विधियां |                                                                                                                                                                                                                    | 6                                       |
| 12                                              | आई.सी.एन. (ICN) - नियम के आधार पर एकत्रित पौधों का नामकरण।                                                                                                                                                         |                                         |
| काई -6 : कम्प्यूटर                              |                                                                                                                                                                                                                    | 8                                       |
| 13                                              | M.S. Excel, M.S. Power Point एवं M.S. Word के उपयोग का अध्ययन।                                                                                                                                                     |                                         |
| 14                                              | विभिन्न प्रकार के सर्व इंजन एवं इमेल (E-mail) सेवाओं का अध्ययन: जीमेल (Gmail), याहू (Yahoo), आउटलुक (Outlook)।                                                                                                     |                                         |

*Ans*

*Vidhu*

*Abhy : M.S*

### पाठ्य पुस्तक

1. डॉ. अमर सिंह, पादपवर्गिकी, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
2. डॉ. सुषमा शर्मा, डॉ. सुरेश सिंह, डॉ. संजय कुमार तिवारी, डॉ. हरिशंकर गोविंद राव, डॉ. महेश कुमार, पुष्पी पादपों की पहचान एवं सौंदर्य संबंधी विशेषताएँ (Flowering Plants Identification & Aesthetic Characteristics), ठाकुर पब्लिकेशन, लखनऊ।
3. अरुण के. पांडे और श्रुति कंसाना, प्लांट सिस्टमैटिक्स, जया पब्लिशिंग हाउस।
4. ए.सी. दत्ता, बाटनी फार डिग्री स्टूडेंट, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
5. जी. सिंह, प्लांट सिस्टमैटिक्स: थ्योरी एंड प्रैक्टिस, ऑक्सफोर्ड और आईबीएच, नई दिल्ली।

Vidhu

Abh

M.S

ms

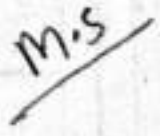
शास्त्री द्वितीय  
तृतीय सेमेस्टर  
भौतिक विज्ञान (सैद्धान्तिक)  
(क्रेडिट - 4)

कुल अंक : 100

लिखित : 75

आन्तरिक : 25

| इकाई                                                                                    | सैद्धान्तिक<br>(विद्युत चुम्बकीय सिद्धान्त एवं आधुनिक प्रकाशिकी)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | व्याख्यान<br>की संख्या<br>(कुल 60<br>घंटा) |
|-----------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------|
| <b>खण्ड - क</b><br><b>विद्युत चुम्बकीय सिद्धान्त</b><br><b>(Electromagnetic Theory)</b> |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |                                            |
| 1                                                                                       | <b>विद्युत् स्थैतिकी (Electrostatics):</b><br>विद्युत आवेश (Electric charge) & आवेश घनत्व (charge densities), दो आवेशों के बीच विद्युत बल (electric force between two charges), गौस का नियम, विद्युत् द्विध्रुव (electric dipole), पदार्थ में विद्युत क्षेत्र (Electric fields in matter), ध्रुवीकरण (polarization), विद्युत प्रवृत्ति और पराविद्युतांक (electric susceptibility and permittivity)।                                                                                                                                                          | 8                                          |
| 2                                                                                       | <b>स्थिर चुम्बकीय (Magnetostatics):</b><br>विद्युत धारा & धारा घनत्व (Electric current & current densities), आयतन धारा घनत्व के सन्दर्भ में चुम्बकीय क्षेत्र के लिए सामान्य व्यंजक (General expression for Magnetic field in terms of volume current density), एम्पीयर का परिपथीय नियम (Ampere's circuital law), चुम्बकीय द्विध्रुव (Magnetic dipole), गिल्बर्ट और एम्पीयर माडल, पदार्थ में चुम्बकीय क्षेत्र, चुम्बकीकरण (magnetisation), सहायक चुम्बकीय क्षेत्र (H), चुम्बकीय प्रवृत्ति और चुम्बकीय चुम्बकशीलता (magnetic susceptibility and permeability)। | 8                                          |
| 3                                                                                       | <b>समय परिवर्ती विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र (Time Varying Electromagnetic Fields):</b><br>फैराडे के विद्युत चुम्बकीय प्रेरण का नियम (Faraday's laws of electromagnetic                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | 7                                          |


|   |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |   |
|---|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|
|   | induction), लेन्ज का नियम (Lenz rule), विस्थापन धारा (Displacement current), सातत्य का समीकरण (equation of continuity) और मैक्सवेल-एम्पीयर का परिपथ/ धारा नियम (Maxwell-Ampere's circuital law), स्व प्रेरकत्व और अन्योन्य प्रेरकत्व (Self and mutual induction), मैक्सवेल समीकरणों का भौतिक महत्व (physical significance of Maxwell's equations), चल कुंडली प्राक्षेपिक धारामापी का सिद्धांत (Theory and working of moving coil ballistic galvanometer)।                                                                                                                                                                                                                                                              |   |
| 4 | <b>विद्युत चुम्बकीय तरंगें (Electromagnetic Waves):</b><br>विद्युत चुम्बकीय ऊर्जा घनत्व और प्वाइन्टिंग सदिश (Electromagnetic energy density and Poynting vector), रेखिक अनंत परावैद्युतिकी में समतल विद्युतचुम्बकीय तरंग (Plane electromagnetic waves in linear infinite dielectrics), समांगी और असमांगी समतल तरंगें (homogeneous & inhomogeneous plane waves), परिक्षेप और अपरिक्षेपी माध्यम (dispersive & non-dispersive media), समांगी समतल विद्युत चुम्बकीय तरंगों का परावर्तन और अपवर्तन (Reflection and refraction of homogeneous plane electromagnetic waves), परावर्तन के नियम (law of reflection), स्नेल का अपवर्तन का नियम (Snell's law), फ्रेसनल सूत्र (Fresnel's formulae) और स्टोक का नियम (Stoke's law)। | 7 |

#### खण्ड - ख

#### भौतिक प्रकाशिकी और लेजर (Physical Optics & Lasers)

|   |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |   |
|---|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|
| 5 | <b>व्यतिकरण (Interference):</b><br>व्यतिकरण के लिए शर्तें (Conditions for interference), अस्थायी कला सम्बद्धता & स्थानिक कलासम्बद्धता (spatial & temporal coherence), तरंगाग्र का विभाजन (Division of Wavefront), फ्रेसनल द्विप्रिज्म (Fresnel's Biprism), लॉयड का दर्पण (Lloyd's Mirror), आयाम का विभाजन (Division of Amplitude), समानांतर पतली फिल्म (Parallel thin film), वेज आकार की फिल्म (wedge shaped film), न्यूटन का वलय प्रयोग (Newton's Ring experiment), व्यतिकरणमापी (Interferometer), माइकलसन और फैब्री-पेरोट व्यतिकरणमापी (Michelson and Fabry-Perot Interferometer)। | 8 |
|---|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|

*[Signature]*

*[Signature]*

*[Signature]*

M.S

|   |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |   |
|---|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---|
| 6 | <b>विवर्तन (Diffraction):</b><br>व्यतिकरण और विवर्तन के बीच अंतर (Distinction between interference and diffraction), फ्रेसनल और फौनहोफर वर्ग का विवर्तन (Fresnel's and Fraunhofer's class of diffraction), फ्रेनल का आधा अवधि क्षेत्र और जोन प्लेट (Fresnel's Half Period Zones and Zone plate), एकल रेखाछिद्र पर फौनहोफर विवर्तन (Fraunhofer diffraction at a single slit), n रेखाछिद्र और विवर्तन ग्रेटिंग (n slits and Diffracting Grating), प्रकाशिक उपकरणों की विभेदन क्षमता (Resolving Power of Optical Instruments), रेले का मानदंड (Rayleigh's criterion), दूरबीन, सूक्ष्मदर्शी और ग्रेटिंग की विभेदन क्षमता (resolving power of telescope, microscope & grating)। | 8 |
| 7 | <b>ध्रुवीकरण (Polarisation):</b><br>डाइक्रोमिक क्रिस्टल द्वारा ध्रुवीकरण (Polarisation by dichronic crystals), द्विअपवर्तन (birefringence), निकोल प्रिज्म (Nicol prism), मंदन प्लेट (retardation plates), बाबिनेट कम्पेनसेटर (Babinet's compensator), ध्रुवीकृत प्रकाश का विश्लेषण (Analysis of polarized light), प्रकाशिक घूर्णन (Optical Rotation), प्रकाशिक घूर्णन की फ्रेसनल व्याख्या (Fresnel's explanation of optical rotation), अर्ध आवरण और द्विक्वार्ट्ज ध्रुवणमापी (Half Shade & Biquartz polarimeters)।                                                                                                                                                         | 7 |
| 8 | <b>लेजर (Lasers):</b><br>लेजर की कार्यप्रणाली एवं अनुप्रयोग (Characteristics and uses of Lasers), स्थानिक और कालिक संबद्धता का गुणात्मक विश्लेषण (Quantitative analysis of Spatial and Temporal coherence), लेजर क्रिया और आइंस्टीन के गुणांक के लिए शर्तें (Conditions for Laser action and Einstein's coefficients), तीन और चार स्तरीय लेजर प्रणाली (Three and four level laser systems)                                                                                                                                                                                                                                                                                 | 7 |

| सैद्धान्तिक पत्र आन्तरिक मूल्यांकन | कुल अंक (25) |
|------------------------------------|--------------|
| कक्षा वाद-विवाद                    | 5            |
| प्रस्तुतीकरण                       | 5            |
| सेमिनार, प्रश्नोत्तरी              | 5            |
| प्रस्तावित निबंध कार्य             | 10           |

Ator

Vidhu

M.S.

Abhay

## सन्दर्भ पाठ्य पुस्तक

1. पी. एस. हेमने और सी. एल. अरोड़ा, Physics for B.Sc. Students: Semester III: इलेक्ट्रोमैग्नेटिक थ्योरी & माडर्न ऑप्टिक्स | एनईपी 2020, उत्तर प्रदेश, एस चंद प्रकाशन।
2. डॉ. दीप्ति सक्सैना, डॉ. सिया राम शुक्ला, डॉ. महेंद्र प्रताप पटेल, सुबोध कुमार शर्मा, Electromagnetic Theory (Physics) (Part A) (Bilingual Format), ठाकुर पब्लिकेशन, लखनऊ।
3. डॉ. रोहन सागर, डॉ. ए. पी. सिंह, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. आशित कुमार जयसवाल, Modern Optics (Physics) Part-B (Bilingual Format), ठाकुर पब्लिकेशन, लखनऊ।
4. D.J. Griffiths, "Introduction to Electrodynamics", Prentice-Hall of India Private Limited.
5. A. Ghatak, "Optics", McGraw Hill.
6. Francis A. Jenkins, Harvey E. White, "Fundamentals of Optics", McGraw Hill.

Abhay

M.S. Vaidya

शास्त्री द्वितीय  
तृतीय सेमेस्टर  
भौतिक विज्ञान (प्रायोगिक)  
(क्रेडिट - 2)

कुल अंक : 100

लिखित : 75

आन्तरिक : 25

| प्रयोग संख्या | प्रायोगिक कार्य                                                                                                                                                                                                             | व्याख्यान की संख्या (कुल 60 घंटा) |
|---------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------|
| 1             | एकल कुंडली के अक्ष के अनुदिश चुंबकीय क्षेत्र का परिवर्तन (Variation of magnetic field along the axis of single coil)।                                                                                                       | 6                                 |
| 2             | Helmholtz coil के अक्ष के अनुदिश चुंबकीय क्षेत्र का परिवर्तन (Variation of magnetic field along the axis of Helmholtz coil)।                                                                                                | 6                                 |
| 3             | बैलिस्टिक गैल्वेनोमीटर: बैलिस्टिक स्थिरांक (Ballistic constant), धारा संवेदनशीलता (current sensitivity) और वोल्टेज संवेदनशीलता (voltage sensitivity)।                                                                       | 6                                 |
| 4             | बैलिस्टिक गैल्वेनोमीटर: रिसाव विधि द्वारा उच्च प्रतिरोध (High resistance by Leakage method)।                                                                                                                                | 6                                 |
| 5             | बैलिस्टिक गैल्वेनोमीटर: केल्विन की डबल ब्रिज विधि द्वारा कम प्रतिरोध (Low resistance by Kelvin's double bridge method)।                                                                                                     | 7                                 |
| 6             | बैलिस्टिक गैल्वेनोमीटर: रेले की विधि द्वारा कुंडल का स्व-प्रेरकत्व (Self inductance of a coil by Rayleigh's method)।                                                                                                        | 7                                 |
| 7             | बैलिस्टिक गैल्वेनोमीटर: धारिता की तुलना (Comparison of capacitances)।                                                                                                                                                       | 7                                 |
| 8             | कैरी फोस्टर ब्रिज (Carey Foster Bridge): प्रतिरोध प्रति इकाई लंबाई (Resistance per unit length) और कम प्रतिरोध (low resistance)।                                                                                            | 7                                 |
| 9             | विक्षेपण और कंपन मैग्नेटोमीटर (Deflection and Vibration Magnetometer): चुंबक का चुंबकीय आघूर्ण (Magnetic moment of a magnet) एवं पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र का क्षैतिज घटक (horizontal component of earth's magnetic field)। | 8                                 |

| प्रयोगिक पत्र आन्तरिक मूल्यांकन              | कुल अंक (25) |
|----------------------------------------------|--------------|
| प्रायोगिक कार्य आधारित परिचर्चा              | 10           |
| विभिन्न प्रयोगशाला भ्रमण, औद्योगिक प्रशिक्षण | 10           |
| वाद-विवाद/प्रश्नोत्तरी एवं प्रस्तुतीकरण      | 05           |

Vidhu M.S. Abhay

**Unit I : QUESTIONS ON THE TEXT**

PRESCRIBED BOOK : The Mayor of Casterbridge

- by Thomas Hardy 30

**Unit II : Idioms and phrases** 10**Unit II : Translation** 15

(a) From English to Hindi

(b) From Hindi to English

**Unit IV : Applied Grammar** 15

a. ( ) Correction of sentences

(ii) Narration

b. Punctuation 05

**Books Recommended –**

(I) Fowler : Modern English usage (O.U.P.)

(II) B.D. Graver : Advanced English Practice (O.U.P.)

(II) F.T. Wood : Remedial Grammar

NSK  
05/11/2024✓  
05/10/24Aditya  
05/01/24